संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 64
पृष्ठ 8
शुक्रवार
22 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दियों में बिना धूप के भी....

विचार- दिल्ली प्रदूषणः भारत की फजीहत....

खेल- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के....

पीएम मोदी को मिला डोमिनिका का सर्वोच्च पुरस्कार, बोले-

यह भारत के 140 करोड़ लोगों के लिए

● भारत के लिए अवार्ड ऑफ ऑनर लेकर गदगद हुए पीएम मोदी

गुयाना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोविड 19 संकट के दौरान उनके समर्थन और भारत डोमिनिका संबंधों को मजबूत करने की उनकी कोशिशों के लिए डोमिनिका के सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज की चर्चाओं में मैंने भारत के लोगों के प्रति उनके स्नेह और आदर को महसूस किया। भारत भी गुयाना के साथ हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए तैयार है। दो लोकतंत्रों के रूप में हमारा सहयोग केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए नहीं बल्कि पूरे ग्लोबल साउथ के लिए महत्वपूर्ण है। अनेक नदियां, झरना और झीलों से समृद्ध गुयाना को 'अनेक जलों की भूमि' कहा जाता है। जिस प्रकार से गुयाना की नदियां यहां के लोगों की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं, उसी प्रकार भारत की गंगा, यमुना और ब्रह्मपुत्र जैसी महान नदियां हमारी प्राचीन सभ्यता का जन्म स्थल रही है. .. भारत और गुयाना के बीच समानताओं के ऐसे कई उदाहरण हैं जो हमारे ऐतिहासिक संबंधों और भी गहरा करते हैं। एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मुझे गुयाना का सर्वोच्च सम्मान द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली का हार्दिक धन्यवाद। यह भारत के 140 करोड़ लोगों के लिए है। प्रधानमंत्री मोदी ने पुरस्कार स्वीकार करते हुए कहा कि यह हमारे संबंधों के प्रति आपकी गहरी प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है जो हमें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहेगा। दरअसल प्रधानमंत्री स्केरिट ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा था कि 2021 में कोविड–19 महामारी के वक्त आपने एस्ट्राजेनेका के 70,000 टीके भेजे जिसने डोमिनिका के लोगों को नयी जिंदगी दी। स्केरिट ने कहा कि यह सम्मान एक प्रतीक से कहीं अधिक है। यह नेतृत्व की आपकी स्थायी विरासत, मानवता के प्रति आपकी प्रतिबद्धता, तथा आपकी सीमाओं से परे हमारे देश सहित अन्य देशों पर आपके द्वारा छोड़ी गई अमिट छाप को सम्मानित करने के लिए है। बारबाडोस भी प्रधानमंत्री मोदी को अपना सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान करेगा, जिससे मोदी को प्रदान किए गए अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 19 हो जाएगी। डोमिनिका ने कुछ दिन पहले ही मोदी को अपना सर्वोच्च पुरस्कार देने की घोषणा की थी।

सच्चाई छिपाने वाले षड़यंत्र रच रहेः योगी

● योगी ने साबरमती को टैक्स फ्री करने का किया ऐलान

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में भी गोधरा कांड पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को टैक्स फ्री कर दिया गया है। सीएम योगी ने गुरुवार को मंत्रिमंडल के साथ लखनऊ के प्लॉसियो मॉल में मूवी देखी। इसके थोड़ी देर बाद उन्होंने फिल्म को टैक्स फ्री करने का ऐलान कर दिया। फिल्म देखने के बाद योगी ने कहा ज्यादा से ज्यादा लोग इस सच को देख सकें और जान सकें। इसलिए, इस फिल्म को यूपी में टैक्स फ्री किया गया। हर देशवासी को द साबरमती रिपोर्ट फिल्म देखनी चाहिए। इसे देखकर गोधरा के सच के नजदीक जाने का प्रयास करना चाहिए। फिल्म ने उस सच्चाई को सामने लाने का प्रयास किया है। अब तक गोधरा कांड की सच्चाई को झूठलाने का प्रयास हो रहा था। सच्चाई सामने आई है। उस सच्चाई पर पर्दा डालने वाले आज भी बहुत सारे षड़यंत्र में पाए जाते हैं। उन्हें बेनकाब करने की जरूरत है। मामला अयोध्या से जुड़ा है, मैं घटना में मारे गए सभी राम भक्तों को श्रद्धांजलि देता हूं। यूपी 5वां भाजपा शासित राज्य है, जहां इस फिल्म को टैक्स फ्री किया गया। योगी के साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक समेत कई भाजपा विधायकों ने भी मूवी देखी। मल्टीप्लेक्स में योगी सबसे पीछे की सीट पर बैठे। फिल्म के मुख्य कलाकार विक्रांत मैसी और राशि खन्ना भी इस स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल हुईं। इससे पहले मूवी की स्टार कास्ट ने सीएम से मुलाकात की थी। द साबरमती रिपोर्ट फिल्म 27 फरवरी, 2002 को गुजरात के गोधरा ट्रेन में हुए अग्निकांड पर बेस्ड है। तब गोधरा स्टेशन के पास खड़ी साबरमती एक्सप्रेस की बोगी नंबर 6 में आग लगा दी गई थी। अयोध्या से लौट रहे 59 हिंदू कार सेवक जिंदा जल गए थे। इनमें 27 महिलाएं, 10 बच्चे शामिल थे।

गौतम अडानी को मोदी का संरक्षण इसलिए नहीं होते गिरफ्तार : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उद्योगपति अडानी भ्रष्टाचार में शामिल बताते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें लिप्त हैं इसलिए उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही है। श्री गांधी ने यहां पार्टी मुख्यालय में बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अडानी के भ्रष्टाचार को लेकर अमेरिकी अभियोजन एजेंसी ने उनके खिलाफ आरोप पत्र जारी किया है। अडानी के भ्रष्टाचार के खिलाफ अमेरिका में कदम उठाए जा रहे हैं लेकिन भारत में उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं होती है।

कार्ग्रेस नेता ने कहा कि उद्योगपति गौतम अडानी ने दो हजार करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार किया है और इसकी जांच अमेरिका में हुई लेकिन हिंदुस्तान में उनके खिलाफ कुछ नहीं होता है इसलिए उनको तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इस मामले में जो भी शामिल है उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि इस मामले की पूरी पड़ताल होनी चाहिए और इसमें जो भी दोषी पाया जाता है उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री मोदी भ्रष्टाचार में लिप्त इस उद्योगपति के संरक्षक बने हुए हैं और उनके भ्रष्टाचार को बढावा दे रहे हैं इसलिए अडानी के खिलाफ भारत में कोई कार्रवाई नहीं हो सकती है और उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकता क्योंकि श्री मोदी और उनकी सरकार अडानी का बचाव कर रहे हैं। श्री मोदी इसमें शामिल हैं और वह जानते हैं कि यदि अडानी को गिरफ्तार किया गया तो वह भी लपेटे में आएंगे इसलिए इस मामले में कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने इस मामले में संयुक्त संसदीय समिति–जेपीसी से जांच की मांग दोहराई और कहा कि जेपीसी मामले की जांच करेगी तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा और अडानी को गिरफ्तार किया जा सकेगा।

अलीगढ़ में बस और ट्रक में भिड़ंत, पांच मरे,15 घायल

अलीगढ़ 21 नवंबर (वार्ता) उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ जिले के टप्पल क्षेत्र में बस और ट्रक की भिड़ंत में पांच लोगों की मौत हो गयी जबकि 15 अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि यमुना एक्सप्रेस वे के 56 नंबर प्वाइंट पर बीती देर रात यह हादसा उस समय हुआ जब दिल्ली से आजमगढ़ जा रही डबल डेकर बस ने एक ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में बस में सवार पांच लोगों की मौत हो गयी जबकि 15 अन्य घायल हो गये। मृतकों में एक मासूम समेत तीन लोगों की पहचान की गयी है। मृतकों में पारुल (25), उसका पांच माह का बेटा आरोह और प्रतापगढ़ के हसमुख सरोज शामिल है। घायलों में 11 माह की बच्ची, एक छोटी लड़की, पांच वर्ष का बच्चा, तीन महिलाएं और नौ पुरुषों को जेबर स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस फैज़ाबाद के कृष्णा ट्रेवल्स की बताई जा रही है जबकि ट्रक में बीयल की केन का स्क्रैब लदा था। हादसे के कारण कुछ समय के लिये यातायात बाधित किया।

दिल्ली चुनाव के लिए आप ने जारी की उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

● बीजेपी-कांग्रेस से आए 6 नेताओं को टिकट

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को 11 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने सूची में पूर्व भाजपा नेताओं ब्रह्म सिंह तंवर, अनिल झा और बीबी त्यागी के साथ–साथ पूर्व कांग्रेस नेता चौधरी जुबैर अहमद, वीर धींगान और सुमेश शौकीन को भी टिकट दिया है, जो हाल ही में आप में शामिल हुए थे। सभी 70 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए दिल्ली विधानसभा चुनाव फरवरी 2025 को या उससे पहले होने वाले हैं। पिछला विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था। चुनाव के बाद, आप ने राज्य सरकार बनाई, जिसमें अरविंद केजरीवाल तीसरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने। सातवीं दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 15 फरवरी, 2025 को समाप्त होने वाला है। ब्रह्म सिंह तंवर ने हाल ही में 31 अक्तूबर को आप में शामिल हुए थे। पार्टी ने इन्हें छतरपुर से टिकट दिया है। ये तीन बार के विधायक हैं। आप ने किराड़ी से अनिल झा पर भरोसा जताया है। दो बार के विधायक रहे अनिल झा 17 नवंबर को आप का दामन थामा था। लक्ष्मी नगर से बीबी त्यागी को आप उम्मीदवार बनाया गया है जो दो बार के पार्षद हैं। मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में ये भाजपा छोड़ आप में शामिल हुए थे। सीलमपुर से आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे पांच बार के विधायक मतीन अहमद के बेटे चौधरी जुबेर अहमद को टिकट दिया है। हाल में ही मतीन अहमद अपने पूरे परिवार के साथ कांग्रेस छोड़ आम आदमी पार्टी का दामन थामा था। सीमापुरी से वीर सिंह धींगान चुनाव लड़ेंगे जो कि कांग्रेस के नेता रह चुके हैं। पहले के तीन बार के विधायक रहे धींगान 2020 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस के टिकट पर मैदान में उतरे थे। मटियाला से सुमेश शौकीन आप के उम्मीदवार होंगे जो 18 नवंबर को कांग्रेस छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए थे। ये मटियाला से यह पहले भी विधायक रह चुके हैं। इसके अलावा करावल नगर से आम आदमी पार्टी ने मनोज त्यागी को टिकट दिया है। गोंद से गौरव शर्मा चुनाव लड़ेंगे। बदरपुर से राम सिंह नेताजी उम्मीदवार होंगे। विश्वास नगर से दीपक सिंगला तो रोहतास नगर से सरिता सिंह आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगी।

गडकरी ने गया में करोड़ों रुपए की योजनाओं की दी सौगात

गया, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को बिहार के गया में करोड़ों रुपए की कई योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। श्री गडकरी ने गया–डोभी मुख्य सड़क मार्ग पर मगध विश्वविद्यालय के समीप नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार के लिए केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार विशेष व्यवस्था कर रही हैं। बिहार में सड़कों का जाल बिछेगा। उन्होंने इस मौके पर गया, पटना एवं बिहार की अन्य जिलों में कई रेलवे ओवरब्रिज बनाने की घोषणा की। इसके अलावा कई किलोमीटर तक सड़क बनाने की भी घोषणा की।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा की मांग पर पश्चिम चंपारण के बेतिया में गंढक नदी पर फोरलेन बनाया जाएगा। इसके अलावा बिहार में ग्रीन एक्सप्रेस–वे बनाया जाएगा। बनारस–सारनाथ से वाया डोभी होते हुए बोधगया तक सड़क बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि आज छह सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण हुआ है। श्री गडकरी ने कहा कि राजौरी से बख्तियारपुर तक फेज तीन की सड़क का उद्घाटन हुआ है। वहीं फेज एक के तहत बनने वाली सड़क का शिलान्यास भी किया गया है। आने वाले समय में बिहार की तस्वीर बदल जाएगी। बिहार के विभिन्न जिलों से पटना तक जाने में कम समय लगेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरगामी सोच का परिणाम है कि आज देश में सड़कों का जाल बिछ रहा है। इससे पूर्व श्री गडकरी बोधगया स्थित महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र में मगध विश्वविद्यालय और भारतीय आर्थिक परिषद के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 22वां बिहार आर्थिक परिषद सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा, मंत्री अशोक चौधरी, डॉ. प्रेम कुमार, पूर्व सांसद सुशील सिंह, हरि मांझी, पूर्व विधायक श्याम देव पासवान, मगध यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसपी शाही सहित कई लोग मौजूद थे।

राहुल गांधी के आरोपों पर बीजेपी का पलटवार, संबित पात्रा बोले-

पीएम मोदी की विश्वसनीयता पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता द्वारा गौतम अडानी और सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच के खिलाफ आरोपों की जांच की मांग करने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने गुरुवार को राहुल गांधी पर पलटवार किया। पात्रा ने गांधी के बयानों को खारिज कर दिया और दावा किया कि वे भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ निराधार आरोप लगाने की पिछली रणनीति की पुनरावृत्ति हैं। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पात्रा ने कहा कि आज एक बार फिर राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। एक बार फिर उन्होंने वही व्यवहार दिखाया और चीज़ों को उसी तरह रखा है जैसे वो करते आए हैं। पीसी पर कुछ भी नया नहीं था। पात्रा ने कहा कि आज सुबह से ही हम मीडिया में एक कंपनी से जुड़ा मामला देख

रहे हैं। उस कंपनी के खिलाफ अमेरिका में केस चल रहा है। आरोप–प्रत्यारोप चल रहे हैं। हमारा स्पष्ट मानना घ्है कि जहां तक घ्कंपनी और उसके खिलाफ मामले का सवाल है, कंपनी एक बयान जारी करेगी और अपना बचाव खुद करेगी। कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि पूरा मामला बिजली खरीद पर समझौते और राज्य वितरण कंपनियों (एसडीसी) पर समझौते का है। अमेरिका और भारत के बीच बिजली वितरण में दो कंपनियाँ हैं– एक भारतीय और एक अमेरिकी कंपनी। चार भारतीय राज्यों के नाम अमेरिकी कोर्ट के सामने पेश हुए। भाजपा नेता ने कहा कि यह मामला जुलाई 2021 से फरवरी 2022 के बीच का है। उस समय छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार सत्ता में थी। आंध्र प्रदेश में उस समय वाईएसआरसीपी सरकार थी। तमिलनाडु में, यह कडज्ञ सरकार थी – आपके सहयोगी स्टालिन की। ओडिशा में बीजेडी की सरकार थी। तो, दस्तावेज़ में जिन 4 राज्यों का नाम दिया गया है, उनमें न तो हमारे मुख्यमंत्री थे और न ही हमारे द्वारा समर्थित सरकार थी। इन सभी में कांग्रेस और उसके सहयोगियों की सरकारें थीं। संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि अगर उनके किसी पूर्व मंत्री या नेता से पूछताछ की जाती है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। राहुल गांधी, पीएम मोदी की विश्वसनीयता को कम करने का यह आपका पहला प्रयास नहीं है। आपकी मां, पार्टी और आप 2002 से यह प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार और कांग्रेस परिवार ये सहन नहीं कर पा रहा है कि भारत लगातार दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है।

सपा नेता शिवपाल का सरकारी धांधली के बाद भी 6 सीटें जीतने का दावा

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने आरोप लगाया है कि उत्तर प्रदेश के उप चुनाव में भारतीय जनता पार्टी द्वारा

शासन प्रशासन को लगाकर बेईमानी कराई गई है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर भाजपा को सपोर्ट करने वाले अधिकारियों की सूची बनाएंगे, क्योंकि उपचुनाव में भाजपा ने गुंडई के बल पर डीएम और एसएसपी के माध्यम से वोट डलवाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की धज्जियां उड़ रही हैं जिस तरह से भाजपा परंपरा डाल रही है, ये लोकतंत्र के लिए खतरा है। शिवपाल ने आरोप लगाया कि सपा के वोटरों को पोलिंग बूथों पर जाने नहीं दिया गया। हमारे वोटरों के आधार कार्ड छीन लिए गए। इसके बावजूद समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश से भाजपा को हराकर भेजेगी। एक सवाल के जबाव में सपा नेता ने करहल में हुई दलित युवती की हत्या के मामले में कहा कि यह प्रेम प्रसंग का मामला है। बात उप चुनाव की कि गई तो उन्होंने कहा कि तमाम धांधली और प्रशासन की गुंडागर्दी के बावजूद समाजवादी और आइएनडीआइए गठबंधन की पांच से छह सीटों पर जीत पक्की है, बाकी सीटों पर अच्छा लड़ेंगे। ये बातें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व कद्दावर नेता शिवपाल यादव ने बरेली में कहीं। उन्होंने कहा कि 23 तारीख को सब स्पष्ट हो जाएगा। शिवपाल समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव वीरपाल सिंह यादव के बड़ेभाई रामधन सिंह का निधन होने पर उनके आवास पर शोक संवेदना जताने पहुंचे थे।

झारखंड में बस दुर्घटना में 6 लोगों की मौत, 10 से अधिक घायल

रांची, एजेंसी। झारखंड के हजारीबाग जिले में आज सुबह बस पलटने से छह लोगों की मौत हो गई और 10 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह बस कोलकाता से बिहार जा रही थी तभी बरकट्ठा के गोरहर थाना के पास जीटी रोड पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।इस दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई 10 से अधिक लोग घायल हो गए। बस पर लगभग 50 लोग सवार थे। सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना स्थल से पुलिस ने पांच शव को बरामद कर लिया है जबकि एक व्यक्ति की मौत अस्पताल ले जाने के दौरान हो गयी। इस दुर्घटना के बाद राहत और बचाव कार्य किया जा रहा है। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जम्मू–कश्मीर के पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास जंगल में लगी आग से बारूदी सुरंग में विस्फोट

श्रीनगर, एजेंसी। बाधा प्रणाली को नुकसान पहुंचाने के प्रयास की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को विफल करने के लिए सेना सतर्क है। जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास बुधवार को जंगल में लगी आग के बाद करीब आधा दर्जन बारूदी सुरंगों में विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बताया जाता है कि ये सुरंग घुसपैठ रोधी बाधा प्रणाली का हिस्सा थीं।

सहायक अभियंता के 550 पदों पर होगी भर्ती, दिसंबर में शुरू होगा आवेदन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) जल्द ही सहायक अभियंता के पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। इसके लिए आयोग को रिक्त पदों का अधियाचन काफी पहले मिल चुका है और अब भर्ती प्रक्रिया को शुरू करने में आ रही तकनीकी अड़चन को भी दूर कर लिया गया है। आवेदन की प्रक्रिया दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू हो जाएगी। आयोग के उप सचिव वीरेंद्र मणि त्रिपाठी की ओर से स्पष्ट कर दिया गया है कि सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा (सामान्य विशेष चयन)–2024 का विज्ञापन दिसंबर के पहले सप्ताह में संभावित है। इस परीक्षा के तहत 550 पदों पर भर्ती की जाएगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने 12 जनवरी 2024 को जारी परीक्षा कैलेंडर में ही स्पष्ट कर दिया था कि पाठ्यक्रम और परीक्षा योजना के संदर्भ में शासन से अनुमोदन मिलने के बाद भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जनवरी 2024 तक आयोग को सहायक अभियंता के तकरीबन 100 पदों का अधियाचन मिल चुका था। बाद में विभागों की ओर नए पदों का अधियाचन भी आयोग को भेजा गया। यूपीपीएससी को अब तक 50 पदों का अधियाचन मिल चुका है। परीक्षा योजना और पाठ्यक्रम को लेकर शासन से हरी झंडी मिलने के बाद अब आयोग दिसंबर के पहले सप्ताह में इस भर्ती का विज्ञापन जारी करने जा रहा है। इससे पूर्व आयोग ने अगस्त–2021 में सहायक अभियंता के 283 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था, जिसमें सामान्य चयन के 271 पद और ग्रामीण अभियंत्रण विभाग में विशेष चयन के 12 पद शामिल थे। भर्ती के लिए 92787 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किए थे, जिनकी लिखित परीक्षा 29 मई 2022 को आयोजित की गई थी। वर्ष 2021 के विज्ञापन के तहत लोक निर्माण विभाग, आवास एवं शहरी नियोजन, नगर विकास विभाग, नगर विकास विभाग, कृषि विभाग, आवास एवं विकास परिषद, भूगर्भ जल विभाग, लघु सिंचाई विभाग, औद्योगिक विकास विभाग, गृह (पुलिस) विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग में भर्तियां की गईं थीं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के लिए नए साल में लंबित भर्ती परीक्षाएं चुनौती बनेंगी। आयोग जहां दिसंबर के पहले सप्ताह सहायक अभियंता के पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी करने जा रहा है। वहीं, एलटी ग्रेड शिक्षक, बीईओ, प्रवक्ता, असिस्टेंट प्रोफेसरसमेत कई भर्तियों के लिए आयोग को पहले ही अधियाचन मिल चुके हैं। वहीं, 20 अक्तूबर को 2024 को प्रस्तावित उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा (अध्यापन) सेवा परीक्षा–2021 और 17 नवंबर 2024 को प्रस्तावित वैज्ञानिक अधिकारी स्क्रीनिंग परीक्षा–2023 को स्थगित किए जाने के बाद अब ये दोनों परीक्षाएं भी अगले साल होंगी। आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा–2023 भी अगले साल होनी है। ऐसे में आयोग को अगले साल प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के साथ ऐसी कई भर्तियां पूरी करानी होंगी।

भीड़भाड़ वाले इलाकों में आसान होगी पहुंच

प्रयागराज। आग से जुड़ी ज्यादातर बड़ी घटनाओं में, कर्मियों को अक्सर भीड़भाड़ वाले इलाकों का सामना करना पड़ता है, जिससे आग बुझाने के प्रयासों में बाधा आती है। उन इलाकों में दमकल गाड़ियों को ले जाना या उनका संचालन करना मुश्किल होता है। इसके परिणामस्वरूप काफी समय बर्बाद होता है। हम एक ऐसा समाधान चाहते थे जिससे हम भीड़भाड़ वाले इलाकों में जल्दी पहुंच सकें और तुरंत ऑपरेशन शुरू कर सकें। महाकुंभ में जब सभी क्षेत्रों में भारी भीड़ मौजूद रहेगी तब आपातकाल स्थितियों में यह वाहन चंद सेकेंड्स में घटनास्थल पर पहुंच सकेंगे। त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए तेजी से चलने की क्षमता के साथ, यह वाहन विभिन्न प्रकार की आग बुझाने में सक्षम होंगे। यह वाहन रेत, कीचड़ और उबड़ खाबड़ इलाकों के साथ–साथ छिछले पानी में भी चलने में सक्षम है। रेत पर जब वाहन फंस जाता है तब यह बूस्ट मोड में काम करता है जिससे इसके चारों पहिए काम करने लग जाते हैं। यह मात्र 4 घंटे में ही चार्ज हो जाता है और 8 घंटे तक काम करता है। यह 60 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकता है।

आकांक्षा समिति ने भी किया भी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज । मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में 39वीं अखिल भारतीय इंदिरा मैराथन के आयोजन के अवसर पर मण्डल आकांक्षा समिति की अध्यक्षा श्रीमती हेमा पंत एवं जिला आकांक्षा समिति की अध्यक्षा, संयुक्त आयुक्त आयकर प्रयागराज डॉ0 कविता के निर्देशन में आकांक्षा समिति प्रयागराज के द्वारा समाज की कमजोर एवं निर्बल वर्ग की महिला धावकों के प्रतिभाग करने हेतु 100 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आकांक्षा समिति की ओर से लगभग 30 महिला खिलाड़ियों ने इंदिरा मैराथन की दौड़ के साथ–साथ आकांक्षा समिति द्वारा आयोजित 100 मीटर की दौड़ में भी प्रतिभाग किया गया। दूर–दराज की महिलाओं को कार्यक्रम में सम्मिलित होने एवं उनको घर तक वापस पहुंचाने हेतु विशेष रूप से साधन मुहैया करायें गये। इंदिरा मैराथन में 41 किमी दौड़ पूरी करने वाली धाविका कु0 मनीषा सोनकर द्वारा भी आकांक्षा समिति द्वारा आयोजित 100 मीटर की दौड़ में प्रतिभाग किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

जिला आकांक्षा समिति की अध्यक्षा श्रीमती डॉ0 कविता ने आकांक्षा समिति का उद्देश्य जनपद में वंचित और हासिये पर रहने वाली महिलाओं व बच्चों की क्षमता विकास व सशक्तिकरण की सुविधा प्रदान करना है। इस अवसर पर समिति की सदस्यागण श्रीमती भारती मीणा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, श्रीमती रत्नप्रिया अपर आयुक्त प्रथम, श्रीमती आकांक्षा सिंह एसडीएम कोरांव, श्रीमती नीलम उपाध्याय एसडीएम न्यायिक हण्डिया एवं सुश्री प्रेरणा गौतम एसडीएम न्यायिक बारा भी उपस्थित रहे।

श्री पंचदशनाम आवाह्न अखाड़ा ने धूमधाम से किया नगर प्रवेश

प्रयागराज। प्रयागराज में लगने जा रहे महाकुंभ को लेकर अखाड़ों के नगर प्रवेश का सिलसिला शुरू हो गया है। बुधवार को श्री रमता पंच दशनाम अवाह्न अखाड़ा ने अपनी पूरी भव्यता के साथ नगर प्रवेश किया। इस दौरान सुरक्षा के विशेष इंतजाम रहे। पूरे रास्ते में लोग सड़क के किनारे खड़े होकर इस खास पल को अपने मोबाइल में कैद करने में जुटे रहे। नगर प्रवेश को देखते हुए सड़क पर भीषण जाम लग गया। संतों के जुलूस के जाने के बाद कड़ी मशक्कत करके पुलिस ने किसी प्रकार जाम को खत्म कराया। श्री रमता पंच दशनाम आवाह्न अखाड़ा का नगर प्रवेश 22 नवंबर को होने की तैयारी थी, लेकिन अखाड़ा की तरफ से बुधवार को ही नगर प्रवेश की तैयारी कर दी गई। श्री रमता पंच दशनाम अवाह्न अखाड़ा के नगर प्रवेश की शुरूआत अरैल स्थित तपस्वी आश्रम से हुई। जो अरैल रोड से होते हुए नया पुल के नीचे और फिर पुराना पुल से होते हुए नैनी एग्रीकल्चर, खान चौराहा होते हुए मड़ौका स्थित आश्रम तक गई। अखाड़ा की तरफ से नगर प्रवेश के दौरान सबस आगे घोड़ों पर सवार होकर नागा साधु पूरे अखाड़े की अगुवाई करते रहे थे। उसके पीछे अखाड़े की धर्म ध्वजा लेकर लोग चल रहे थे। इसके बाद डीजे पर भक्ति गीतों की धुन के बीच संत चांदी के हौद पर सवार होकर अपने वाहनों के साथ चल रहे थे। जिनकी एक झलक पाने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग सड़क के किनारे जुटे रहे।

साईं ने फाफामऊ क्लब को हराया

प्रयागराज। साईं क्लब ने फाफामऊ क्लब को 45 रन से हराकर गंगा डिग्री कॉलेज अंडर–14 क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किए। गंगा डिग्री कॉलेज सोरांव मैदान पर बुधवार को खेले गए मैच में साईं क्लब ने 30 ओवर में 7 विकेट पर 143 रन (हर्षित 49, विक्की 38, रमन सिंह 3ध्29, मोहम्मद नुजैफ 2ध्23) बनाए। जवाब में फाफामऊ क्लब की टीम 27.2 ओवर में 98 रन (मोहम्मद नुजैफ 25, आर्यन यादव 13 नाबाद, मोहम्मद साहिल 3ध्15, वरुण 3ध्19, पुष्पेंद्र कुमार 2ध्23) पर सिमट गई। मैच में अजय कुमार व नितिन यादव अंपायर एवं आशीष भारतीय स्कोरर रहे।

डेकोरेटिव लाइट्स से महाकुंभ बनेगा भव्यता का प्रतीक, योगी सरकार का अनूठा प्रयास

प्रयागराज।महाकुंभ 2025 को दिव्य और भव्य बनाने के लिए योगी सरकार अनेक अभिनव प्रयास कर रही है। इसी क्रम में पूरे मेला क्षेत्र को डेकोरेटिव लाइट्स से सजाया जा रहा है। 8 करोड़ की लागत से उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लि. की ओर से पूरे मेला क्षेत्र में 485 डिजाइनर स्ट्रीट लाइट पोल का जाल बिछाया जा रहा है। संगम जाने वाली हर प्रमुख सड़क पर यह अलौकिक पोल और लाइट श्रद्धालुओं का स्वागत करती नजर आएगी। योगी सरकार का यह प्रयास न केवल श्रद्धालुओं को दिव्य अनुभव देगा, बल्कि भारतीय संस्कृति और आधुनिकता का अद्भुत संगम भी प्रस्तुत करेगा। अधीक्षण अभियंता महाकुंभ मनोज गुप्ता ने बताया कि सीएम योगी की। मंशा के अनुरूप महाकुंभ को भव्य रूप देने के लिए विद्युत विभाग बड़े पैमाने पर कार्य कर रहा है। डेकोरेटिव लाइट्स और डिजाइनर पोल्स उसी का हिस्सा है। मेला क्षेत्र में लाल सड़क, काली सड़क, त्रिवेणी सड़क और परेड के सभी मुख्य मार्गों को आकर्षक डेकोरेटिव लाइट्स से रोशन किया जा रहा है। ये लाइट्स भगवान शंकर, गणेश और विष्णु को समर्पित हैं, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति और सौंदर्य का अनुभव कराएंगी। अधिशाषी अभियंता अनूप सिंह ने बताया कि पूरे मेला क्षेत्र में 8 करोड़ से ज्यादा की लागत से 485 डिजाइनर स्ट्रीट लाइट पोल लगाए जा रहे हैं। इस बार टेंपरेरी की बजाय स्थायी पोल्स का निर्माण किया गया है, जो महाकुंभ के बाद भी क्षेत्र की रौनक बनाए रखेंगे। हर पोल को कलश और देवी–देवताओं की आकृतियों से सजाया गया है, जो मेले के वातावरण को सांस्कृतिक वैभव से भर देंगे। 15 दिसंबर तक सभी डेकोरेटिव लाइट्स का कार्य संपन्न कर लिया जाएगा, जिसके बाद रात में मेला क्षेत्र की आभा देखते ही बनेगी। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के अनुभव को यादगार बनाने के लिए यह विद्युत विभाग की ओर से एक अभूतपूर्व पहल है। आधुनिक तकनीक और सांस्कृतिक प्रतीकों के मेल से यह परियोजना महाकुंभ को विश्वस्तरीय भव्य आयोजन का दर्जा देगी। महाकुंभ के लिए लगाए गए ये डेकोरेटिव पोल्स स्थायी रहेंगे, जिससे क्षेत्र में आने वाले पर्यटक भी लंबे समय तक इस भव्यता का आनंद ले सकेंगे। डेकोरेटिव लाइट्स से सजे इस महाकुंभ में हर श्रद्धालु को आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक गर्व का अनुभव होगा। यह पहल महाकुंभ को भारतीय संस्कृति की भव्यता और आधुनिक विकास का अद्वितीय प्रतीक बनाएगी।

ज्ञानवापी स्थित वुजूखाना के सर्वे मामले की नहीं हो सकी सुनवाई, अब दो दिसंबर को मिली नई डेट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर स्थित वुजूखाने के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण एएसआइ से सर्वे मामले में आज लंच बाद सुनवाई नहीं हो सकेगी। कोर्ट ने अगली तारीख दो दिसंबर नियत कर दी है। यह जानकारी सिविल पुनरीक्षण याचिका दायर करने वाली राखी सिंह के अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने दी है। काशी और मथुरा के बाद संभल की जामा मस्जिद का मामला कोर्ट पहुंच गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु जैन ने अपने पिता व वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर जैन सहित आठ लोगों की ओर से मंगलवार को सिविल जज (सीनियर डिवीजन) में वाद दायर किया है। उनका दावा है कि संभल की शाही जामा मस्जिद हरिहर मंदिर है। इस मुकदमे में नोएडा निवासी पार्थ यादव और वेदपाल सिंह, संभल निवासी महंत ऋषिराज गिरि, राकेश कुमार, जीतपाल यादव, मदनपाल और दीनानाथ भी वादी हैं। कोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश राघव को सर्वे के लिए एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया है। सर्वे की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी भी होगी। आदेश के बाद देर शाम वीडियोग्राफी कराई गई। डीएम डा. राजेंद्र पैंसिया व पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे। संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क व विधायक इकबाल महमूद के पुत्र सुहेल इकबाल ने भी मौके पर आकर अधिकारियों से बात की। वाद में भारत संघ को प्रतिवादी बनाया है। कोर्ट 29 नवंबर को अगली सुनवाई करेगा। इस दिन एडवोकेट कमिश्नर अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे। 95 पेज के वाद में दावा किया गया है कि भगवान कल्कि का जन्म संभल में ही होना है। कई प्रमाण से स्पष्ट है कि हरिहर मंदिर को तोड़कर ही मस्जिद का निर्माण कराया गया है। सर्वे के बाद वास्तविकता सामने आ जाएगी। जामा मस्जिद समिति की ओर से इसका अनाधिकृत रूप से उपयोग किया जा रहा है। कोर्ट के आदेश मिलने के बाद एडवोकेट कमिश्नर वीडियोग्राफी करने जामा मस्जिद पहुंच गए। उनके साथ वादी पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन भी थे। रात करीब आठ बजे सांसद व अन्य लोगों के आने पर उनसे अधिकारियों ने बात की है। नौ बजे के करीब एध्डवोकेट कमिश्नर लौट आए। एडवोकेट कमिश्नर रमेश राघव ने बताया कि मंगलवार को करीब पांच घंटे तक मुख्य हाल व अन्य हाल की वीडियोग्राफी कराई गई है।

कोई भी आदेश पारित करने से पहले दूसरे पक्ष को भी सुना जाना जरूरी है। इसलिए भारत सरकार व अन्य दूसरे पक्षों को सुने जाने के लिए नोटिस भेजा जाए। दोनों पक्ष सुनने के बाद किसी नतीजे पर पहुंचा जा सके। कमीशन के लिए एडवोकेट कमिश्नर अपनी मौके की रिपोर्ट अदालत में नियत तिथि को प्रस्तुत करें। मामला संवेदनशील होने के कारण उसकी वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी की जाए। डीएम व एसपी मौके पर पुलिस बल उपलब्ध कराएं। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के चौक स्थित इम्पोरियम भवन में बिहार का पर्यटक सूचना केंद्र खुलेगा। इसके लिए इम्पोरियम भवन के भूतल पर 784 वर्ग फीट में स्थान आवंटित किया गया है। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम इसकी विशेष साज–सज्जा कराएगा। पटना राज्य ब्यूरो के अनुसार बिहार के पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में देश–विदेश के श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन के लिए आते हैं। इन देसी–विदेशी पर्यटकों को बिहार तक लाने के लिए यह पर्यटक सूचना केंद्र खोला जा रहा है। जल्द ही इसका उद्घाटन किया जाएगा।श्रीकाशी विश्वनाथ धाम को नव्य–भव्य स्वरूप देते समय ही सभी प्रांतों के पर्यटक केंद्र धाम परिसर में खोलने का खाका खींचा गया था। इसके लिए बिहार के अलावा दक्षिण के भी कई राज्य मंदिर प्रशासन के संपर्क में हैं। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि विश्वनाथ धाम में देश–विदेश से श्रद्धालु–सैलानी आते हैं। उनकी सुविधा के लिए मंदिर की ओर से बहुभाषी सूचना केंद्र खोला जा रहा है। प्रांतीय पर्यटक सूचना केंद्र खोलने में भी मदद की जा रही है।

महाकुंभ में पहली बार तैनात होंगे ऑल-टेरेन व्हीकल

मेला क्षेत्र में कहीं भी आग लगने पर तत्काल पहुंच सकेगा व्हीकल

घटनास्थल पर पहुंचकर पलक झपकते ही आग पर पा लेंगे काबू

एस्टिंगुशर, एयरकंप्रेसर समेत अत्याधुनिक डिवाइसेज से लैस होगा व्हीकल

प्रयागराज । महाकुंभ 2025 को सुरक्षित और हरित महाकुंभ बनाने के लिए संकल्पित योगी सरकार अनेक उपाय कर रही है। इसी क्रम में पहली बार महाकुंभ में ऑल टेरेन व्हीकल तैनात किया जा रहा है। यह व्हीकल मेला क्षेत्र में कहीं भी आग की घटना होने पर चंद सेकेंड्स में घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पा सकेगा। यह फायर एस्टींगुशर समेत तमाम अत्याधुनिक फायर सेफ्टी डिवाइसेज से लैस होगा। रेत, दलदल और छिछले पानी में भी यह पूरी रफ्तार से दौड़ सकेगा। अग्निशमन विभाग के ट्रेन्ड फायरकर्मी इस पर सवार होकर पूरे मेला क्षेत्र में आपात स्थिति पर नजर रखेंगे। इसे पहली बार महाकुंभ में उपयोग में लाया जाएगा। इसके लिए चार ऑल–टेरेन व्हीकल्स प्रयागराज पहुंच चुके हैं और अग्निशमन कर्मियों को इसकी राइडिंग और उपयोग की ट्रेनिंग दी जा रही है। सीएम योगी 25 नवंबर को इन चारों व्हीकल्स समेत अन्य डिवाइसेज को हरी झंडी दिखा सकते हैं। इलेक्ट्रिक बैट्री से संचालित होने वाला यह व्हीकल सीएम योगी के सुरक्षित और हरित महाकुंभ के संकल्प को साकार करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (यूपी फायर सर्विसेज) की ओर से मेला क्षेत्र को जीरो फायर इंसिडेंट जोन बनाने की व्यापक तैयारी की गई है। ऑल–टेरेन व्हीकल उसी तैयारी का हिस्सा है। प्रयागराज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी और महाकुंभ के नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि चार ऑल–टेरेन व्हीकल्स को जर्मनी से प्रयागराज लाया गया है। लगभग ढाई करोड़ की लागत वाले इन व्हीकल्स को सीएम योगी स्वयं हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इन व्हीकल्स की तैनाती से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि महाकुंभ मेला प्रारंभ होने के बाद क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी सुचारू रूप से फायर सेफ्टी सर्विसेज का परिचालन किया जा सके। उन्होंने बताया कि वाहन में पानी की टंकियां, नल और पंप सहित अग्निशमन उपकरण लगे हैं जिससे अधिकारी आग लगने पर तुरंत कार्रवाई कर सकेंगे। यह त्वरित कार्रवाई आग को फैलने से रोकने में महत्वपूर्ण है, खासकर शुरुआती चरणों में। उन्होंने कहा कि इसमें नॉर्मल एस्टींगुशर के साथ एयर कंप्रेसर और वैमपैक फायर एस्टींगुशर भी है। इसमें गन से 9 लीटर तक पानी का छिड़काव किया जा सकता है। इसमें 8 लीटर पानी और एक लीटर केमिकल होता है जो छिड़काव के बाद फोम बन जाता है। फ्लोरीन–मुक्त फोम में आग बुझाने की प्रभावी क्षमता होती है। यह आग को तेजी से बुझा सकता है। यह ज्वलनशील तरल पदार्थ की आग को भी दबा सकता है और दोबारा आग लगने से रोक सकता है, जिससे यह पारंपरिक फोम का एक विश्वसनीय विकल्प बन जाता है। इसकी डिस्चार्ज डिस्टेंस 45 फीट तक होती है, जिससे सिस्टम ऑपरेटर और आग के बीच सुरक्षित दूरी बनी रहती है। इसमें 75 फीट की नली होती है जो उपयोगकर्ता को किसी भी दिशा में यूनिट के 100 फीट के भीतर आग तक पहुंचने में सक्षम बनाती है। यह दूरी ऑपरेटर और फायरमैन को विकिरण गर्मी और जहरीली गैसों से भी सुरक्षा प्रदान करती है। यह वाहन अग्निशामकों और प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं के लिए अधिक सुरक्षित है।

कैंसर से बचाव स्वस्थ जीवनशैली और जागरूकता से संभव- डॉ0 शिखा दरबारी

प्रयागराज। इनरव्हील क्लब ऑफ ईस्ट प्रयाग राज द्वारा आज उत्तर मध्य साँस्कृतिक केंद्र में कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। समारोह में बोलते हुए गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ शिखा दरबारी, पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त इलाहाबाद ने कहा कि कैंसर जो एक गंभीर और घातक बीमारी है, तेजी से लोगों को प्रभावित कर रही है। परंतु सही जानकारी और उचित कदम उठाकर इससे बचा जा सकता है। कैंसर से बचाव के लिए जीवनशैली में सुधार, सही आहार, और नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर कृतिका अग्रवाल, डॉक्टर रीता जोशी, डॉक्टर चौरसिया, ममता गुप्ता, आशा अग्रवाल, सुनीता जैन, ज्योति श्रीवास्तव, डॉक्टर सुधा त्रिपाठी एवं उदय प्रताप सिंह सहित कई समाजसेवी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान इनरव्हील क्लब द्वारा डॉक्टर शिखा दरबारी को उनके द्वारा लिए जा रहे सामाजिक कार्यों के लिए क्लब द्वारा आनरेरी पिन प्रदान किया गया तथा अन्य लोंगो को भी समाज मे उत्कृष्ट कार्य के लिए क्लब द्वारा सम्मानित किया गया।

ंटरनेशनल ट्रान्सजेन्डर डे पर दी दिवंगत ट्रान्सजेन्डर्स को श्रद्वांजलि

प्रयागराज। आज इंटर नेशनल ट्रान्सजेन्डर डे आफ रिबरेंस है। इसके परिप्रेक्ष्य में आज सिविल लाइन सिथति सुभाष प्रतिमा पर किन्नर अखाड़ा, अखिल भारतीय संतरंगी सलाम संगठन, एल जी बी टी डेवलपमेंट ट्रस्ट व समर्पित ट्रस्ट के सदस्यों नें अंतर्राष्ट्रीय ट्रान्सजेन्डर स्मरण दिवस मनाया जिसमें कि ट्रान्सफोबिया से मारे गये या आकस्मिक रूप से मरे पूरे विश्व के किन्नरों, एलजीबी टीक्यू सदस्यों की याद में मोमबत्ती जलाकर दो मिनट का मौन रखा। यह कार्यक्रम किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी जी महाराज, सदस्य उत्तर प्रदेश किन्नर कल्याण बोर्ड उत्तर प्रदेश सरकार के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम में संजना, सुरीली, पूजा, पलक, नगमा, सुषमा, मोहिनी, पिरिया, सना, संध्या, माही, ज्योति, इच्छा, रोशनी, विशाखा के साथ भारतेन्दु, विमल दुबे, दीपक कुमार बिंद, संजय केशरवानी, सेन दास प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दिव्यांश और ओमित ने एके एजुकेशनल क्लब को जिताया

प्रयागराज। दिव्यांश के शतक (162 रन, 91 गेंद 32 चौके एवं दो विकेट) और अमित यादव के हरफनमौला खेल (60 रन एवं चार विकेट) के दम पर एके एजुकेशनल क्लब ने सावित्री देवी क्लब को 322 रन से हराकर शशि द्विवेदी अंडर–14 बालक एवं बालिका क्रिकेट लीग में पूरे अंक प्राप्त किये। चक हरिहर वन झूसी मैदान पर बुधवार को खेले गए मैच में एके एजुकेशनल क्लब ने 40 ओवर में 8 विकेट पर 366 रन (दिव्यांश 162, ओमित यादव 60, अर्पित राय 38, रुद्र 20 नाबाद निष्कर्ष कुशवाहा 4ध्38) बनाकर सावित्री देवी क्लब को 22.2 ओवर में 44 रन (उत्कर्ष पाल 14, ओमित यादव 4ध्19, दिव्यांश 2ध्01, प्रेरक पाल 2ध्04) पर समेट दिया।

प्रयागराज की हस्तशिल्प कलाकार ने दिल्ली में बिखेरे जलवे

प्रयागराज। इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर भारत मंडपम हाल नई दिल्ली में चल रहे मेले में प्रयागराज की हस्तशिल्पी अनुप्रिया शर्मा ने अपने हस्तशिल्प जुट और जारी के आभूषणों की प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया। हस्तशिल्प विभाग की उपनिदेशक श्रीमती तान्या बनर्जी ने बताया कि प्रयागराज की आर्टिस्ट अनुप्रिया शर्मा के द्वारा आर्टिफिशियल जुट और जारी के आभूषणों दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में आयोजित प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया। अनुप्रिया शर्मा के जूट और जरी के आर्टिफिशियल आभूषणों को वहां के उपभोक्ताओं को काफी पसंद आया। यह आभूषण नई तकनीक एवं इको फ्रेंडली होने के कारण लोगों में काफी पसंद किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक जनपद एक उत्पाद की इस प्रदर्शनी में लोगों को काफी पसंद आए और लोगों ने जमकर खरीदारी की।

दंपती को बंधक बनाकर दो पिकअप व 141 सिलिंडर उठा ले गए चोर

प्रयागराज। जंघई क्षेत्र के जनार्दन इंडेन ग्रामीण वितरक केंद्र पर रखवाली कर रहे पति–पत्नी

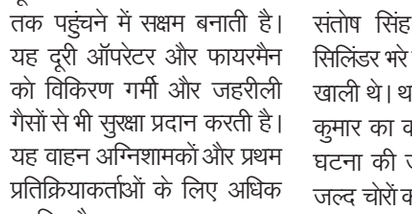

चौकीदार को कमरे मे बंद करके चोरो ने बीती रात चार गाडिय्यों से गोदाम पर रखे 141 गैस सिलिंडर लेकर चले गए। दो गाड़ी चोर लेकर आए थे। दो पिकअप एजेंसी की भी लेकर चले गए। दूसरे दिन दोनों पिकअप प्रयागराज के हंडिया थाना के धनूपुर के पास भक्तियार गांव के पास छोड़कर चले गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर पुलिस जांच मे जुट गई है। जंघई सेमरी गांव निवासी संतोष सिंह का सेमरी गांव में जनार्दन इंडेन ग्रामीण वितरक केंद्र का आफिस है। जहां गोदाम से गांव–गांव में सिलिंडर की सप्लाई कराई जाती है। बीती रात सेमरी गांव स्थित गोदाम पर पहुंचे चोरों ने रखवाली के लिए रखे गए चौकीदार चोन्हर वनवासी और उसकी पत्नी उर्मिला को कमरे मे बंद करके अपने साथ लाए गए दो वाहन और ऐजेंसी की दो पिकअप में 141 गैस सिलिंडर लादकर चले गए। भोर में 4 बजे एजेंसी पर सप्लाई लाने के लिए पहुंचा ट्रक ड्राइवर तब उसे घटना की जानकारी हुई तो उसने मालिक संतोष सिंह को सूचना दी। संतोष सिंह ने जौनपुर के मीरगंज पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मीरगंज पुलिस हरकत मे आ गई और जांच मे जुट गई। सुबह प्रयागराज के हंडिया थाना के भक्तियार गांव के पास एजेंसी की दो पिकअप खाली हाल में मिली। ऐजेंसी मालिक संतोष सिंह ने बताया की 12 सिलिंडर भरे हुए तथा 129 सिलिंडर खाली थे। थानाध्यक्ष मीरगंज रमेश कुमार का कहना है की चोरी की घटना की जांच की जा रही है। जल्द चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यूपी पुलिस सिपाही भर्ती का परिणाम जारी, पदों के सापेक्ष ढाई गुना अभ्यर्थियों को... परीक्षण के लिए बोर्ड ने बुलावा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सिपाही भर्ती परीक्षा की लिखित परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। चयन परीक्षाओं की शुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुरूप आयोजित इस परीक्षा के घोषित परिणाम के अनुसार, आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए, प्राप्तांकों की श्रेष्ठता के आधार पर निर्धारित पदों के सापेक्ष लगभग ढाई गुना अधिक यानी कुल 1,74,316 अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए अर्ह घोषित किया गया है। यह चयनित अभ्यर्थी अब चयन प्रक्रिया के अगले चरण में अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक परीक्षण के लिए आमंत्रित किए जाएंगे। यह प्रक्रिया दिसंबर के तीसरे सप्ताह में होगी। बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण ने बताया कि आरक्षी (नागरिक पुलिस) के पदों पर सीधी भर्ती–2023 के लिए आयोजित इस लिखित परीक्षा में समान कट ऑफ अंक पाने वाले सभी अभ्यर्थियों को अगले चरण की अर्हता सूची में सम्मिलित किया गया है। अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक परीक्षण के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची बोर्ड की वेबसाइट https://uppbpb.gov.in/ पर जारी कर दी गई है, जहां अभ्यर्थी अपनी पंजीकरण संख्या अथवा परीक्षा अनुक्रमांक से अपना परिणाम देख सकते हैं। बोर्ड के अध्यक्ष ने बताया कि अभ्यर्थियों के अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक परीक्षण (DV/PST) की कार्यवाही दिसंबर के तीसरे सप्ताह में होगी, जबकि अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक प्रशिक्षण में अर्ह अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा जनवरी, 2025 के तीसरे सप्ताह में आयोजित की जाएगी। बोर्ड ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए चयन से संबंधित अपडेट के लिए नियमित तौर पर बोर्ड की वेबसाइट विजिट करने की अपील की है। बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण ने बताया कि चयन बोर्ड द्वारा परीक्षा की सभी 10 पालियों के प्रश्न पत्रों तथा उत्तर कुंजी को 11 सितंबर से 19 सितंबर तक बोर्ड की वेबसाइट https://uppbpb.gov.in/ पर प्रदर्शित करते हुये अभ्यर्थियों से आपत्तियों आमंत्रित की गईं। सभी स्रोतों से प्राप्त आपत्तियों पर गहन विचार किया गया तथा आवश्यकता अनुसार विषय विशेषज्ञों के पैनल से अभिमत भी प्राप्त किए गए। लिखित परीक्षा के बाद OMR आंसर शीट की स्कैनिंग की कार्यवाही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ संपन्न कराई गई। इसके लिए पर्याप्त मात्रा में सुरक्षाकर्मी और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए थे। 24 घंटे लाइव मॉनिटरिंग की गई। भर्ती की विज्ञप्ति में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार स्कैनिंग के बाद अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों के प्रसमान्यीकरण की

कार्यवाही की गई है। परीक्षाओं की शुचिता के लिए संकल्पित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने पुलिस भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और सकुशल संपन्न कराने के लिए हर संभव प्रबंध सुनिश्चित किये थे। तकनीक की मदद, गोपनीयता, और पुख्ता इंतजामों ने ऐसा व्यूह रचा, जिसने नकल माफिया और साल्वर गैंग के मंसूबों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की अहम भूमिका रही। इसके जरिये परीक्षा में किसी भी तरह की धांधली को रोकने में लिए पुख्ता इंतजाम किये गये थे। इसके अलावा न केवल प्रश्न पत्रों की सुरक्षा को मजबूत किया गया, बल्कि उनकी गोपनीयता भी सुनिश्चित की गई। प्रश्नपत्रों को गोपनीय चिन्हों से सुरक्षित किया गया और मल्टी–लेयर पैकेजिंग की गई ताकि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न हो सके। योगी सरकार के मजबूत सुरक्षा उपायों ने नकल माफियाओं के मंसूबों को विफल कर दिया और पुलिस भर्ती परीक्षा को एक सफल और निष्पक्ष आयोजन में तब्दील कर दिया। सीएम योगी की सीधी मॉनीटरिंग से देश की सबसे बड़ी परीक्षा में शुमार पुलिस भर्ती परीक्षा पूरे देश में एक मॉडल बन गयी। 48 लाख से अधिक युवाओं की सहभागिता वाली इस परीक्षा में कई नवाचार अपनाए गए। प्रयोग सफल रहे, परिणाम यह परीक्षा आज शुचितापूर्ण परीक्षाओं के आयोजन के लिए एक मॉडल बन कर उभरी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिये 15 हजार प्रश्नों का एक विशाल प्रश्न बैंक तैयार कराया गया, जिसे परीक्षा के दौरान रैंडमाइजेशन किया गया। प्रश्नपत्रों में प्रश्नों को तीन कैटेगरी में बांटा गया था। इसमें प्रश्नों को कठिन, मध्यम और आसान श्रेणी में बांटा गया, जिसमें 30 प्रतिशत कठिन, 50 प्रतिशत मध्यम और 20 प्रतिशत आसान प्रश्न शामिल थे।

शहर समता विचार मंच (महिला) कानपुर इकाई की नवम्बर माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

कानपुर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन में

तथा सीमा वर्णिका की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि सुषमा त्रिपाठी रहीं।

यह काव्य गोष्ठी दोपहर 12रू30 बजे से 2रू00 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही सीमा द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सुनीता गुप्ता द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में पूनम पांडे, पुष्पा सिंह, अर्चना सिंह, डॉ सुषमा त्रिपाठी, सुनीता गुप्ता, श्रद्धा श्रीवास्तव तथा सीमा वर्णिका ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें । अध्यक्षीय सम्बोधन के बाद धन्यवाद ज्ञापन कानपुर इकाई की जिलाध्यक्ष सीमा वर्णिका ने किया।

नगर निगम प्रयागराज द्वारा शहर के चौराहों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया

शहर समता प्रयागराज। बाबा चौराहा से लेकर सर्किट हाउस होते हुए इन्द्रा गांधी चौराहा से धोबीघाट से हीरा हलवाई

से बालसन चौराहा (थार्निल रोड वर्तमान में महार्षि दायानन्द मार्ग) दमन रोड एवं सरोजनी नायडू मार्ग तक नगर निगम, प्रयागराज द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराया गया तथा अतिक्रमण से पहले व अतिक्रमण के हटाने के बाद की फोटोग्राफी करायी गयी एवं दोनों तरफ की पटरियों साफ करायी गयी तथा कुल जुर्माना रू0–7200ध्– शमन शुल्क वसूला गया। अतिक्रमण में हटाने में थाना सिविल लाइन्स, प्रयागराज का सहयोग लिया गया। तथा इस सम्बन्ध में सिविल लाइन्स थाने को अवगत करा दिया गया है कि शासनादेशानुसार उक्त स्थल पर पुनः अतिक्रमण न हो इसकी जिम्मेदारी सम्बन्धित थाने की है।

आज पूरे शहर के ट्रैफिक में रहेगा डायवर्जन

लखनऊ, एजेंसी। पंजाबी इंडस्ट्री के मशहूर सिंगर और बॉलीवुड एक्टर दिलजीत दोसांझ कल यानि 22 नवंबर को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में परफॉर्म करने वाले हैं। दिलजीत के लाइव कॉन्सर्टस में लोग उनके इशारों पर चकरघिन्नी की तरह नाचते हैं। इकाना स्टेडियम में होने वाले इस कॉन्सर्टस में बड़ी आबादी हिस्सा लेगी। जिसके जलते लोगों को यातायात में बड़ी परेशानी झेलनी पड़ सकती है। यह स्टेडियम के रास्ते से गुजरने वालों को भी नहीं छोड़ेगा। बता दें कि आयोजन स्थल के आसपास और शहीद पथ पर कार्यक्रम के दिन बड़ा यातायात डायवर्जन किया गया है। इससे शहरी बिना वजह परेशान होते नजर आएंगे। इसकी खबर मिलते ही वहां के प्रतिष्ठान संचालकों ने सवाल उठाया है कि किसी गायक या फिल्मी कलाकार की व्यावसायिक गतिविधि के लिए आम नागरिकों को परेशानी में क्यों डाला जा रहा है?गौरतलब है कि कल दोपहर एक बजे से देर रात तक कार्यक्रम चलेगा। कॉन्सर्ट की समाप्ति तक डायवर्जन लागू रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने भी कार्यक्रम स्थल के आसपास कई तरह की पाबंदियां लगाई हैं। जिसके चलते वहां से गुजरने वालों और इलाके के लोगों को परेशानी उठानी पड़ सकती है। जिससे नाराज होकर स्थानीय निवासियों का कहना है कि दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम से आम जनता को कोई लाभ नहीं है। फिर जनता डायवर्जन का दर्द क्यों झेले? आपको यह भी बताते चलें कि दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम के लिए सुरक्षा व्यवस्था के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं। हालांकि, पुलिस इसके लिए अपनी फीस लेगी। जिसका एस्टीमेट तैयार कर मुख्यालय भेज दिया गया है। सुरक्षा के लिहाज से ही आवागमन परिवर्तित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान शहीद पथ पर सिटी बसें चलेंगी, लेकिन हुसड़िया और सुशांत गोल्फ सिटी के बीच नहीं रुकेंगी। इस दौरान बसों में सवारी बैठाने और उतारने की अनुमति नहीं होगी। इतना ही नहीं पब्लिक ट्रांसपोर्ट के अन्य वाहनों के लिए भी डायवर्जन लागू किया गया है।

वकील की मौत,इंस्पेक्टर पिता शव देख फूट-फूटकर रोए

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील की मौत हो गई। वकील अखंड प्रताप सिंह (25) ऑफिस के काम से लखनऊ आए थे। अपने दोस्त के घर रुके थे। बुधवार की रात अचानक तबीयत बिगड़ी और हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। चंदन अस्पताल पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने परिजनों को मौत की सूचना दी। जानकारी मिलते ही पिता चंद्र प्रकाश सिंह लखनऊ पहुंचे। चंद्र प्रकाश बहराइच के रानीपुर थाने पर बतौर थाना प्रभारी तैनात हैं। बेटे की अचानक मौत पर वे फूट–फूटकर रोते रहे। मूलरुप से गोरखपुर के रहने वाले अखंड प्रताप सिंह बुधवार की शाम कुछ काम से लखनऊ पहुंचे थे। दोस्त की मानें तो अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। अखंड को पसीना आने लगा और सीने में दर्द होने लगा।

सिपाही भर्ती: सीएम योगी ने उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को दी बधाई, बोले- शुचिता एवं पारदर्शिता से पूरी हुई परीक्षा

यूपी में पुलिस भर्ती परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी है। उन्होंने कहा कि एक्स पर बयान जारी कर कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से आयोजित यूपी पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती–2023 की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई! आप सभी परीक्षा के आगामी चरणों की तैयारी पूर्ण तत्परता के साथ करेंगे, इस विश्वास के साथ मेरी मंगलकामनाएं! उन्होंने आगे कहा

कि पूर्ण शुचिता और पारदर्शिता के साथ संपन्न उत्तर प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी सिपाही भर्ती परीक्षा के परिणाम आज घोषित हुए हैं। आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए उ.प्र. पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने प्राप्तांकों की श्रेष्ठता के आधार पर निर्धारित पदों के सापेक्ष लगभग ढाई गुना अधिक यानी कुल 1,74,316 अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए अर्ह घोषित किया है।

पदाधिकारियों को बधाई एवं अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं!

परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग करने के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भी मदद ली गई। नकल माफिया और सॉल्वर गैंग को पूरी तरह विफल करते हुए मल्टी–लेयर पैकेजिंग और गोपनीय चिह्नों से प्रश्न–पत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। सख्त व्यवस्था और पारदर्शी प्रबंधन से नया उत्तर प्रदेश निष्पक्षता और ईमानदारी के नित नए मानक स्थापित कर रहा है।

27 नवम्बर को पट्टी के वारडीह जायेंगे लोकपाल समाज शेखर

विराट धाम के पुनरोद्धार में ग्राम्य विकास विभाग की भूमिका होगी तय

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा आगामी 27 नवम्बर को पट्टी ब्लाक स्थित वारडीह ग्राम जायेंगे। लोकपाल समाज शेखर विराट

धाम के मुख्य पुजारी के द्वारा धाम के विकास व संरक्षण हेतु किये गए आवेदन के क्रम में ब्लाक व ग्राम स्तरीय अधिकारियों व मनरेगा कर्मियों के साथ स्थलीय भ्रमण व निरीक्षण करेंगे।

लोकपाल समाज शेखर ने खंड विकास अधिकारी पट्टी व धाम के पुजारी वी एस पाठक से संवाद स्थापित कर 27 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से भ्रमण कार्यक्रम को तय किया । क्षेत्र भ्रमण के बाद लोकपाल विकास खंड मुख्यालय जायेंगे। ब्लाक स्थित मनरेगा सेल में ए पी ओ के साथ मनरेगा समस्याओ के निस्तारण की समीक्षा भी करेंगे। लोकपाल ने पत्र जारी कर बी डी ओ पट्टी से अपेक्षा की है भ्रमण के दौरान आवश्यक सुव्यवस्था व मनरेगा कर्मियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाय। ज्ञातव्य हो की उक्त स्थल प्राचीन इतिहास व भूगोल में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। जिसका प्राचीन पुरातात्विक महत्व भी है।

जनसुनवाई व संवाद कार्यक्रम आज

लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जन सुनवाई निरंतर मंगलवार व शुक्रवार को जारी है। शुक्रवार 22 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक जन सुनवाई व संवाद कार्यक्रम होगा। जिसमे ब्लाक विहार के ग्राम गोगौर के प्रधान, सचिव, रोजगार सेवक व तकनीकी सहायक आदि को शिकायत के क्रम में अपना पक्ष रखने हेतु आमंत्रित किया गया है। लोकपाल ने सभी वास्तविक शिकायत कर्ता को जन सुनवाई कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की है।

डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया के तहत वर्ल्ड टॉयलेट डे का आयोजन

लखनऊ, एजेंसी। कंज्यूमर हेल्थ और हाईजीन कंपनी रेकिट ने जागरण पहल, ग्रामालय, एजेवाईएस और सेसमे वर्कशॉप इंडिया सहित 100 भागीदारों के साथ मिलकर, अपने प्रमुख अभियान डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया के तहत वर्ल्ड टॉयलेट डे का आयोजन किया। इस आयोजन में भारत के पहले स्वदेशी मपेट्स, केके किटाणु और नीला जादूगर को आयुष्मान खुराना द्वारा पेश किया गया, जो बच्चों को एनिमेटेड वीडियो और कॉमिक बुक्स सहित मजेदार और आकर्षक ढंग से साफ–सफाई और स्वच्छता के बारे में शिक्षित करने के अभियान का एक हिस्सा हैं। गौरव जैन, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, रेकिट–साउथ एशिया ने कहा रेकिट में, हम स्वच्छता और सफाई को बढ़ावा देते हुए एक स्वच्छ और स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए समर्पित हैं। इस वर्ल्ड टॉयलेट डे पर हमने स्वच्छ भारत मिशन की सफलता का जश्न मनाया। बच्चों के लिए स्वच्छता शिक्षा को और ज्यादा आकर्षक बनाने के हमारे प्रसायों में, हम केके किटाणु और नीला जादूगर को पेश करते हुए बहुत ज्यादा उत्साहित हैं यह भारत में अपनी तरह के पहले स्वदेशी मपेट्स हैं। इन किरदारों का उद्देश्य बच्चों को स्वच्छता और सफाई के बारे में रचनात्मक रूप से शिक्षा प्रदान करना है। आगे बढ़ते हुए, हम 50,000 मपेटियर्स को प्रशिक्षित करके और इन किरदारों को भारत की सभी 22 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराकर इस पहल का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बिधु भूषण पांडा, चेयरपर्सन, अमर ज्योति युवक संघ ने कहा इस वर्ल्ड टॉयलेट डे पर, हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं कि हर बच्चे को सुरक्षित और साफ–सफाई तक पहुंच मिले। रेकिट के साथ हमारी भागीदारी के माध्यम से, हम न केवल स्कूलों बल्कि पूरे समाज को बदलने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, ताकि युवाओं को स्वच्छता और स्वास्थ्य के मामले में आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाया जा सके। साथ मिलकर, आइए हम बदलाव का ऐसा प्रभाव पैदा करें, जहां हर बच्चा पर्याप्त स्वच्छता अधिकारों के साथ बड़ा हो। समीर गुप्ता, एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट, जागरण प्रकाशन लिमिटेड और कोषाध्यक्ष जागरण पहल, ने कहा वर्ल्ड टॉयलेट डे स्वस्थ समाज के निर्माण में स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। हमें रेकिट के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, ताकि भारत के पहले स्वदेशी मपेट्स केके किटाणु और नीला जादूगर को इस जरूरी विषय के बारे में युवाओं को रचनात्मक रूप से शामिल करने के लिए पेश किया जा सके। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता और अभिनव शिक्षा एवं निरंतर जागरूकता के माध्यम से एक स्वच्छ, स्वस्थ भारत के लक्ष्य के साथ संरेखित है। सोनाली खान, मैनेजिंग ट्रस्टी, सेसमे वर्कशॉप इंडिया, ने कहा सेसमे वर्कशॉप इंडिया में, हमारा मानना है कि शिक्षा ही सार्थक बदलाव की नींव है। पिछले दो सालों में हमने केके किटाणु और नीला जादूगर जैसे आकर्षक किरदरों को पेश किया है, साथ ही सेसमे के पसंदीदा मपेट्स चमकी और एल्मो को भी पेश किया है, जो स्वच्छता पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में बच्चों की शिक्षा में महत्वपूर्ण स्वच्छता और साफ–सफाई प्रथाओं को एकीकृत करते हैं। यह पहल जागरूकता को बढ़ावा देती है और बच्चों के बीच जरूरी स्वच्छा और साफ–सफाई प्रथाओं के बारे में व्यवहार में बदलाव लाती है। रेकिट के डेटॉल् बनेगा स्वस्थ इंडिया अभियान के साथ हमारा सहयोग स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। साथ मिलकर हम युवाओं को स्वच्छ, स्वस्थ भारत के लिए सशक्त बना रहे हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को लाभान्वित करने वाली स्थायी आदतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। हर साल 19 नवंबर को वर्ल्ड टॉयलेट डे मनाया जाता है, जो दुनियाभर में स्वस्थ समाज के निर्माण में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालता है। वर्ल्ड टॉयलेट ऑर्गेनाइजेशन द्वारा 2001 में घोषित किया गया और 2013 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा भी मनाया जाने लगा और यह सतत विकास लक्ष्य 6.2030 तक सभी के लिए जल और स्वच्छता को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस साल की थीम, "टॉयलेट– एक शांतिमय स्थाथन" थी, जो एक अधिक समतापूर्ण और शांतिपूर्ण विश्वय के निर्माण में स्थारयी स्ववच्छाता समाधान के महत्वल पर प्रकाश डालता है।

रोटरी प्लैटिनम द्वारा डेंगू मरीजों के लिए मुफ्त दवा वितरण

प्रयागराज। रोटरी प्लैटिनम ने डेंगू से प्रभावित मरीजों की सहायता के लिए निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया। हर साल अक्टूबर और नवंबर के महीनों में डेंगू के मरीजों की संख्या में भारी वृद्धि होती है। इस साल भी प्रयागराज में डेंगू के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसी के मद्देनजर रोटरी प्लैटिनम ने जरूरतमंद मरीजों के लिए यह पहल की।

यह शिविर डॉ. सुभाष यादव होम्योपैथिक क्लिनिक, सिविल लाइंस के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में सैकड़ों लोगों को मुफ्त होम्योपैथिक दवाइयां दी गईं। यह सेवा भविष्य में भी जारी रहेगी।

क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन शशांक जैन और डॉ. सुभाष यादव के नेतृत्व में, सिविल लाइंस बस स्टैंड और पी स्क्वायर मॉल के पास शिविर लगाकर दवाइयों का वितरण किया गया। क्लब के सचिव रोटेरियन सुमित अग्रवाल ने विशेष रूप से डॉ. सुभाष यादव का धन्यवाद दिया, जिनके सहयोग से यह सेवा संभव हो सकी। शिविर का संचालन रोटेरियन प्रमय मित्तल ने किया। इस अवसर पर रोटेरियन दीपक गुप्ता, संदीप जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सैकड़ों लोग इस निःशुल्क डेंगू दवा शिविर से लाभान्वित हुए। मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने बताया कि रोटरी प्लैटिनम इस प्रकार की सामाजिक गतिविधियों का आयोजन नियमित रूप से करता रहता है। क्लब के अन्य सदस्यों ने भी इस शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विश्व दर्शन दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ, एजेंसी। विश्व दर्शन दिवस के अवसर पर आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ के दर्शनशास्त्र विभाग सत्यं शिवम् सुन्दरम के तत्वावधान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने की तथा संयोजन विभागाध्यक्ष मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी ने किया , कार्यक्रम का संचालन सेमेस्टर 5 की छात्रा अंशी गुप्ता ने किया, विभाग की छात्राओं ने जीवन दर्शन पर भारतीय और पाश्चात्य विचारकों के चुनिंदा कथनों को पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया, इसके अतिरिक्त अष्टांग योग की वर्तमान में प्रासंगिकता विषय पर छात्राओं द्वारा विचार विमर्श किया गया, यम,नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार,धारणा, ध्यान और समाधि पर विस्तार से चर्चा की गई की किस प्रकार से योग में सहज एवं सरल जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है, प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने सभी को विश्व दर्शन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए दर्शन को सभी विषयों का आधार बताया, विभिन्न भारतीय और पाश्चात्य दार्शनिकों के विचारों से अवगत होते हुए उन्हें अपने जीवन में ढालने के लिए प्रेरित किया, संयोजक मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी ने बताया कि वर्ष 2002 से यूनेस्को ने विश्व दर्शन दिवस मनाने की परंपरा प्रारंभ की। वर्ष 2005 में यूनेस्को सम्मेलन में यह निश्चय हुआ कि प्रत्येक वर्ष विश्व दर्शन दिवस नवंबर महीने के तीसरे गुरूवार को मनाया जायेगा। विश्व दर्शन दिवस उन दार्शनिकों के सम्मान में मनाया जाता है जिन्होंने सम्पूर्ण विश्व को स्वतंत्र विचारों के लिए स्थान उपलब्ध कराया। इस दिवस का उद्देश्य दार्शनिक विरासत को साझा करने के लिए विश्व के सभी लोगों को प्रोत्साहित करना तथा बुद्धिजीवियों एवं सभ्य समाज को सामाजिक चुनौतियों से लड़ने के लिए विचार विमर्श को प्रेरित करना है।

सम्पादकीय.....

मणिपुर के रिसते जख्म

कभी शांतिप्रिय माने जाने वाले मणिपुर में बीते डेढ़ साल से जारी हिंसा एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। राज्य में नए सिरे से शुरू हुई अमानवीय हिंसा व आगजनी की घटनाएं स्थिति की गंभीरता को दर्शाती हैं। इस हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर के हालात से निपटने में केंद्र और राज्य सरकार बेबस और उदासीन नजर आते हैं। हाल के दिनों में पनपी गंभीर हिंसा की घटनाएं राज्य नेतृत्व की क्षमताओं पर सवाल उठाती हैं। केंद्र व राज्य में एक ही दल की सरकार होने के बावजूद हिंसा न थमने को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। निश्चित रूप से यह गंभीर स्थिति ही है कि दो सौ से अधिक लोगों के मारे जाने तथा हजारों लोगों के विस्थापन के बावजूद संकट का समाधान होता नजर नहीं आ रहा है। यही वजह है कि इन घटनाओं के बाद जनाक्रोश सड़कों पर नजर आ रहा है। राज्य में कई विधायकों के घरों पर हमले व आगजनी की घटनाएं हुई हैं। यहां तक कि साठ सदस्यीय विधानसभा में सात सदस्यों वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी यानी एनपीपी ने राज्य सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। पार्टी का आरोप है कि मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार संकट का समाधान निकालने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है। हालांकि एनपीपी के समर्थन वापस लेने से सरकार को कोई खतरा नहीं हैं क्योंकि सरकार के पास विधानसभा में पर्याप्त बहुमत है, लेकिन घटनाक्रम स्थिति की गंभीरता को जरूर दर्शाता है। साथ ही घटनाक्रम सत्तारूढ़ भाजपा को चेताता है कि वह अब हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकती। हालांकि, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य में दो दिन के दौरान सुरक्षा स्थिति की समीक्षा जरूर की है। वहीं मुख्यमंत्री ने भी सत्तारूढ़ गठबंधन के मंत्रियों और अन्य विधायकों से बैठक करके उन्हें समझाने की कोशिश की है। विपक्ष मणिपुर के बेहद चिंताजनक हालात होने के बावजूद प्रधानमंत्री की अपेक्षित सक्रियता न होने का आरोप संसद से सड़क तक लगाता रहा है। वे आरोप लगाते रहे हैं कि पूरी दुनिया की खैर–खबर लेने वाले प्रधानमंत्री मणिपुर नहीं जाते। साथ ही उनका आरोप है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय लगातार बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित करने में विफल रहा है। सवाल यह भी कि सुरक्षा बलों की निरंतर बढ़ती उपस्थिति के बावजूद स्थितियां नियंत्रण में क्यों नहीं आ रही हैं। यह भी कि लगातार हिंसा व चौपट होती कानून व्यवस्था के बाद भी कैसे पार्टी मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह पर भरोसा जता रही है। उनकी विफलताओं के बावजूद उनको हटाने की मांग को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है। वह भी तब जबकि आक्रोशित जनता पार्टी विधायकों के घरों को आगजनी से निशाना बना रही है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पूर्वोत्तर का यह राज्य संवेदनशील अंतर्राष्ट्रीय सीमा से जुड़ा है। मणिपुर की हिंसा बीते साल मई में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग के बाद शुरू हुई थी। जिसका राज्य के कुकी व नागा समुदाय ने हिंसक विरोध किया था। लेकिन यह गंभीर बात है कि पिछले डेढ़ वर्ष में राज्य के भीतर अवैध प्रवास, जमीन, जंगल, हथियारों की तस्करी व नशे के कारोबार में खासी तेजी आयी है। यहां तक कि म्यांमार से अवैध घुसपैठ की घटनाएं भी सामने आई हैं। निस्संदेह, इस संकट के तमाम आयाम हैं, जिसकी संवेदनशीलता को देखते हुए इस मसले के शीघ्र समाधान की जरूरत महसूस की जा रही है। संकट इस बात का भी है कि यह संघर्ष पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी फैल सकता है। हाल के वर्षों में म्यांमार व बांग्लादेश में बदले राजनीतिक घटनाक्रम के चलते पृथकतावादियों को शह मिल सकती है, जो कालांतर भारत में कानून व्यवस्था के लिये संकट पैदा कर सकते हैं। यदि हम पूर्वोत्तर के इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि पूर्वोत्तर में सामुदायिक संरचना बेहद जटिल और संवेदनशील रही है। इससे हिंसा का सिलसिला लंबा खिंच सकता है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकार की कोशिश हो कि संकट का राजनीतिक व सामाजिक समाधान निकाला जाए ताकि समुदायों में सामंजस्य से हिंसा को टाला जा सके।

दिल्ली प्रदूषण: भारत की फजीहत

एजेंसी

मौसम के ठंडा होने के साथ ही पूरे क्षेत्र में पराली जलाने के कारण गाढ़े धुंए की मोटी परत पूरे इलाके पर छा जाती है। विभिन्न तरह की परेशानियों और समस्याओं को लेकर आने वाले प्रदूषण का असरकारक तोड़ अब तक न दिल्ली सरकार ढूंढ़ पाई है और न ही केन्द्र सरकार।

पिछले कई वर्षों से दिल्ली एवं एनआरसी में हर साल की सर्दियों में होने वाला स्मॉग (धुंध व धुंआ) लोगों के लिये अनेक तरह की समस्याएं लेकर आता है। इसके कारण दृश्यता इतनी कम हो जाती है कि कुछ ही मीटर की दूरी तक भी दिखाई देना बन्द हो जाता है। राष्ट्रीय महामार्ग पर अनेक हादसे होते हैं, ट्रेनें व जहाजों की उड़ाने या तो रद्द होती हैं या फिर विलम्ब से उनका परिचालन होता है। स्कूलों में अक्सर छुट्टियां दे दी जाती हैं। लोगों के स्वास्थ्य पर बहुत ही गम्भीर परिणाम पड़ते हैं। बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की शिकायतें मिलती हैं। मौसम के ठंडा होने के साथ ही पूरे क्षेत्र में पराली जलाने के कारण गाढ़े धुंए की मोटी परत पूरे इलाके पर छा जाती है। विभिन्न तरह की परेशानियों और समस्याओं को लेकर आने वाले प्रदूषण का असरकारक तोड़ अब तक न दिल्ली सरकार ढूंढ़ पाई है और न ही केन्द्र सरकार। पराली जलाने के आरोप में हरियाणा, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश के कुछ किसानों के खिलाफ मामले दर्ज करने के अलावा अब तक ठोस कार्रवाई होती नहीं दिखी है। अब यह मामला अजरबैजान की राजधानी बाकू में जलवायु परिवर्तन पर चल रहे वैश्विक सम्मेलन सीओपी 29 में गूंज गया है जिसमें इस पर प्रदीर्घ मंथन तो हुआ ही, भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेइज्जती भी हो गयी। स्थिति की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 24 घंटे का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 294 पहुंच गया जो गम्भीर से अधिक माना जाता है। कुछ इलाकों में यह 500 के ऊपर चला गया। पार्टिकूलेट पॉल्यूशन 1000 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से भी ज्यादा रहा। यह प्रदूषण ब्लैक कार्बन, ओजोन, जीवाश्म ईंधन और पराली के जलाने से होता है जो स्वास्थ्य के लिये बेहद खतरनाक है। इसमें सांस लेना मानों कई दर्जन सिगरेटें पीना है। इसका प्रतिकूल असर लाखों लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञ इस दिशा में तत्काल और दीर्घकालिक उपाय अपनाने की जरूरत बतला रहे हैं। पिछले कुछ साल से ठंड के मौसम में इस प्रकार का स्मॉग इस पूरे क्षेत्र के वायुमंडल को चपेट में लेता है और इस पर हाय–तौबा मचती है। एक बार यह मौसम खत्म होने तथा स्मॉग साफ हो जाने के बाद लोग इसे भूल जाते हैं और सरकारें भी। क्लाइमेट ट्रेंड्स की निदेशक आरती खोसला ने स्थिति की भयावहता पर तो प्रकाश डाला ही है, उन्होंने तंज कसा कि श्हम वैश्विक मुद्दों पर तो बात करते हैं लेकिन लाखों लोगों के स्वास्थ्य सम्बन्धी खतरों की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सम्भवतः उनका इशारा बाकू में भारत के प्रतिनिधित्व एवं वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरों की ओर उसकी चिंताओं की ओर था, जबकि भारत की राजधानी में लाखों लोगों के स्वास्थ्य को गम्भीर खतरा है। दमा, फेफड़े में संक्रमण, एलर्जी आदि से पीड़ित लोगों के लिये यह मरण काल है। दिल्ली–एनसीआर के इस मामले की अनुगूंज सीओपी 29 में जिस तरीके से सुनाई दी वह भारत के लिये पर्याप्त अपमानजनक थी। बहुत सी ऐसी बातें कही गयीं जो कई देशों के साथ सीधे भारत की ओर इशारा करती हुई उसे चोट पहुंचाने वाली रहीं। ग्लोबल क्लाइमेट एंड हेल्थ एलायंस के उपाध्यक्ष कर्टनी हार्वर्ड ने कनाडा के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि श्पिछले वर्ष वहां के जंगलों में लगी आग ने 70 प्रतिशत आबादी के जीवन को खतरे में डाल दिया था और उस त्रासदी से निपटने में उस देश को निपटने में वित्तीय समस्या आई थी।श उनका कहना था कि जब एक समृद्ध देश को इतनी परेशानी हो सकती है तो गरीब देशों के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। इस स्थिति से निपटने के लिये गरीब देशों को वित्तीय मदद की जरूरत है। पर्यावरणविद भावरीन कंधारी का कहना है कि सीओपी 29 को अपने दूसरे हफ्ते में शहरी जलवायु की ओर ध्यान देना होगा। उन्होंने इस स्थिति को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालश बतलाया। दिल्ली–एनसीआर के वायु प्रदूषण पर सीओपी–29 में मुद्दा गरीब देशों के हवाले से उठा, जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कई दावे हवा में उड़ गये। पहला यह कि मोदी भारत को एक बड़ी आर्थिक ताकत बतलाकर खुद की पीठ ठोंकते रहे हैं। साफ है कि अगुवा देश अब भी भारत को गरीब देशों की पंक्ति में ही खड़ा करते हैं। दूसरे, पीएम यह भी बताते रहे हैं कि भारत ने ग्रीन हाउस गैसों का स्तर देश में घटाया है। ऐसा वे कार्बन उत्सर्जन को भी शामिल करते हुए कहते रहे हैं। इतना ही नहीं, देश के भीतर व बाहर वे भारतीयों के जीवन स्तर में बढ़ोतरी का भी दावा करते हैं। चूंकि भारत में तो मोदी के पास एक प्रचार तंत्र है जिसमें उनकी कही बात को कोई काटने वाला नहीं होता, लेकिन ऐसे समिट में किसी प्रकार के राजनीतिक दबावों में या पक्षपातपूर्ण तरीकों से चर्चाएं नहीं होती। सम्भव भी नहीं है। यह जमावड़ा जलवायु विशेषज्ञों का होता है जो वैज्ञानिक आधार पर अपने आकलन एवं विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं। बेहतर होगा कि केन्द्र सरकार पर्यावरण संरक्षण करने तथा देशवासियों को ऐसे जानलेवा प्रदूषण से बचाने के स्थायी प्रबन्ध करे। एक बड़ी आबादी को ऐसी खतरनाक स्थिति में नहीं झोंका जा सकता। हर साल बढ़ रहे प्रदूषण की मूकदर्शक बनकर सरकार दिल्ली–एनसीआर के निवासियों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

महाराष्ट्र–झारखंड चुनावों में मोदी से ज्यादा अदानी का स्टेक

डॉ. दीपक पाचपोर

विधानसभा चुनावों की वर्तमान में जारी श्रृंखला के अंतर्गत झारखंड के दूसरे व अंतिम तथा महाराष्ट्र के एकमेव चरण के लिये बुधवार को जो मतदान होने जा रहा है उसमें केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ही स्टेक नहीं है। कहें तो मोदी के सबसे करीबी कारोबारी मित्र गौतम अदानी का कहीं अधिक दांव पर लगा हुआ है। मोदी इस वक्त चाहे विदेश की यात्रा पर हों और पिछले कुछ दिनों से वे दोनों राज्यों के चुनावी परिदृश्य में वैसे नहीं दिखाई दिये जैसे कि वे अमूनन चुनावों के दौरान उपस्थित रहा करते हैं, तो कोई यह न समझे कि वे इन चुनावों से निराश हो चुके हैं या फिर वहां पराजय का खतरा महसूस करते हुए खुद को अलग कर लिया, जैसा उन्होंने विगत में पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, कर्नाटक, तेलंगाना आदि राज्यों में किया था जिनमें भारतीय जनता पार्टी को हार मिली थी। झारखंड और महाराष्ट्र उपरोक्त बताये गये राज्य नहीं हैं। जगजाहिर है कि मोदी अब इन बातों का विशेष ख्याल नहीं रखते कि किस राज्य में भाजपा की जीत से उनकी छवि सुधरेगी और किन राज्यों में पराजयों से गिरेगी। उन्होंने भाजपा को ऐसे रंग में रंग दिया है कि किसी भी प्रदेश का चुनाव जीतने पर उन्हीं के माथे सेहरा सजता है और हारने पर पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा या स्थानीय इकाई प्रमुख के सिर होते ही हैं– ठीकरे फोड़ने के लिये। मोदी का प्रचार तंत्र साबित कर देता है कि जीत का कारण मोदी का चेहरा है और पराजय के वे बिलकुल जिम्मेदार नहीं हैं। अब अपने 3रू0 के कार्यकाल में मोदी ने यह लिहाज भी छोड़ दिया है कि उनके नाम को अदानी या रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी के साथ जोड़ा जाता है। छत्तीसगढ़ का चुनाव याद करें तो वह मोदी के लिये जितना अहम था उतना ही महत्वपूर्ण अदानी के लिये भी था। उस रौ में मध्यप्रदेश तथा राजस्थान भी बह निकले और कहने को हो गया कि यदि अदानी के लिये ही मोदी चुनाव लड़ते हैं तो बाकी दोनों राज्य (मप्र–राज.) कैसे भाजपा ने जीत लिये जहां अदानी की कोई दिलचस्पी नहीं थी तो उसके दूसरे रणनीतिक कारण थे जो कांग्रेस की अंदरूनी कलह और मैनेजमेंट की असफलताओं से जुड़े हुए हैं। उस पर पहले से पर्याप्त चर्चा हो चुकी है। इस मुद्दे को यदि विपरीत दिशा से बढ़ते हुए समझा जाये तो स्थिति और भी साफ हो जाती है। हाल ही में हरियाणा में जीत की दूर–दूर तक सम्भावना नहीं थी। वहां जिस बड़े पैमाने पर चुनाव के ठीक पहले भाजपा नेताओं, पार्टी पदाधिकारियों और पूर्व या तत्कालीन विधायकों का कांग्रेस या अन्य दलों की ओर प्रयाण हुआ था वह अभूतपूर्व था। वहां कांग्रेस की बड़ी सभाएं और रैलियां हुईं। इसके विपरीत भाजपा के प्रत्याशियों को कई गांवों में घुसने तक नहीं दिया गया। किसानों की सबसे ज्यादा नाराजगी जिन राज्यों में थी उनमें यह प्रदेश प्रमुखता से शामिल है। मतगणना में सुबह से आगे चलती कांग्रेस ने बामुश्किल आधे घंटे की अवधि में इतनी बड़ी संख्या में सीटें गंवा दी कि वह सरकार बनाने वाले आंकड़े से दूर हो गयी। उधर जम्मू–कश्मीर में कई कारणों से भाजपा की दिलचस्पी खत्म हो गयी थी इसलिये उसने सघनता से चुनाव नहीं लड़ा जैसा कि उसने हरियाणा का लड़ा था। दोनों के चुनाव लगभग एक साथ हुए थे और परिणाम भी एक ही दिन आये थे। फिर, अनुच्छेद 370 हटाने का जो राजनीतिक लाभ भाजपा को उठाना था, वह उसने देश भर में उठा लिया था। सच तो यह है कि जम्मू–कश्मीर में सरकार चलाने से कहीं अधिक फायदेमंद है उस पर सियासत करना। वहां सरकार चलाना अपनी उंगलियां जलाना है। वैसे भी वहां न तो आतंकवादी गतिविधियां रूकीं और न ही भाजपा को कश्मीरी पंडितों को बसाने में सफलता मिल पाई। सम्भवतरू भाजपा को यह बात भी समझ में आ गयी होगी कि वहां उसके कारोबारी मित्र न तो उद्योग लगा सकते हैं और न ही जमीनें खरीद सकते हैं। वैसे भी जम्मू–कश्मीर इतना संवेदनशील राज्य है कि किसी न किसी बहाने से उसकी सरकार को आसानी से गिराया जा सकता है। ध्रुवीकरण की राजनीति उस राज्य में विपक्षी बेंचों पर बैठकर कहीं अधिक आसानी से की जा सकती है। इसलिये उसे छोड़ देना बेहतर समझा गया होगा। छत्तीसगढ़–ओडिशा–झारखंड वह हरियर पट्टा है जो खनिज सम्पन्न है, खासकर इन राज्यों की जमीनों के नीचे कोयले का अकूत भंडार दबा हुआ है। देश भर में चल रहे अपने बिजली संयंत्रों के लिये अदानी को कोयले की निर्बाध और भरपूर सप्लाई चाहिये। यही वह कारण है कि इन तीनों राज्यों की विधानसभाओं को जीतना भाजपा और उससे बढ़कर मोदी के लिये जीतना बहुत जरूरी है। अदानी व्यवसायिक दृष्टि से मोदी पर और मोदी राजनीतिक सफलता के लिये अदानी पर निर्भर हैं। यदि मोदी को अपनी राजनीति चलानी है तो उनके लिये अदानी के कारोबारी हितों की रक्षा करनी जरूरी है। इसलिये झारखंड की विधानसभा में भाजपा का बहुमत मोदी के लिये अहम बन गया है। अदानी के व्यवसायिक हितों के तार धीरे–धीरे विभिन्न राज्यों के राजनीतिक क्षितिजों को छू रहे हैं। महाराष्ट्र भी ऐसा ही प्रदेश है। विशेषकर मुंबई। महानगर के बीचों–बीच बसे और दुनिया की सबसे बड़ी झुग्गीबस्तियों में से एक धारावी के पुनर्निर्माण का एक बड़ा प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री कार्यालय में लम्बित बतलाया जाता है। यह अदानी की ही परियोजना है।धारावी में लोगों को मय नागरिक सुविधाओं के पक्के आवास देने वाली यह योजना पहले भी अलग–अलग रूपों एवं नामों से लाई जाती रही है। पिछली सदी के आठवें दशक में राजीव गांधी धारावी के कायाकल्प के लिये प्रधानमंत्री विकास परियोजना (पीएमडीपी) लेकर आये। यह योजना ठीक से प्रारम्भ हो पाती उसके पहले ही कांग्रेस का राज जाता रहा। फिर इसे डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा 2008 में लागू करने की बात की गयी। उसका संशोधित स्वरूप बनने के पहले यूपीए की सरकार 2014 में चली गयी। वैसे 1995 में जब महाराष्ट्र में शिवसेना–भाजपा ने चुनाव जीता था तो उसका सबसे बड़ा कारण था चुनावी घोषणा पत्र में किया गया यह वादा कि उनकी सरकार बनने के बाद धारावी के हर परिवार को पक्का घर मिलेगा। वैसे वह योजना भी आगे नहीं बढ़ पाई लेकिन पहले की दो गारंटियों और अब भाजपा की योजना के बीच प्रमुख फर्क यह है कि शिवसेना–भाजपा तथा यूपीए सरकार ने यह योजना शासकीय स्तर पर लागू करने का तय किया था जबकि डबल इंजिन सरकार पहले दिन से साफ कर चुकी है कि यह योजना अदानी व्यवसाय समूह क्रियान्वित करेगा। अधिकतर लोगों को भरोसा नहीं है कि उनका विस्थापन और पुनर्वास ठीक से हो सकेगा। कई तो मानते हैं कि एक बार धारावी छोड़ने के बाद वे शायद ही अपनी जगहों पर लौट सकेंगे। धारावी को इतना महंगा कर दिया जायेगा कि वहां की झोपड़पट्टियों और छोटी–छोटी खोलियों में रहकर गुजारा करने वाले लोग खुद ही बेदखल हो जायेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि मोदी का नारा श्एक हैं तो सेफ हैंश का अर्थ है अदानी की तिजोरी में भाजपा और मोदी का सुरक्षित होना। सोमवार को उन्होंने कैमरे के सामने तिजोरी से मोदी–अदानी की तस्वीर और धारावी की सेटेलाइट इमेज निकालकर महाराष्ट्र में अदानी के हितों को सार्वजनिक कर दिया। महाराष्ट्र के गुजरातीकरण का मुद्दा शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे पहले ही उठा चुके हैं।

पश्चिमी एजेंसियां पूर्वोत्तर भारत में अलगाववाद को हवा देने में सक्रिय

आशीष विश्वास

भारतीय विदेश नीति के वे बाज, जो दुनिया को खुशी–खुशी याद दिलाते हैं कि दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका तेजी से प्रगति कर रहे भारत को हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अपना रणनीतिक रक्षा साझेदार मानता है, जल्द ही एक अग्नि परीक्षा का सामना कर सकता है। उनकी बयानबाजी झूठी निकली जब वाशिंगटन–दिल्ली की दोस्ती अमेरिका को भारत के मित्र बांग्लादेश में सत्तारूढ़ शासन को गिराने नहीं रोक पाई, जो ताजा उदाहरण है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि मणिपुर, नागालैंड और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के आस–पास के इलाकों में जल्द ही अस्थिरता की एक नयी लहर आने के संकेत मिल रहे हैं, भले ही सत्तारूढ़ मोदी 3.0 सरकार भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षा रखती हो। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थित ताकतों ने भारत, म्यांमार और बांग्लादेश से अलग होकर एक स्वतंत्र ईसाई राज्य की अपनी पुरानी मांग को फिर से दोहराया है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सबसे पहले इस बारे में चेतावनी दी, हालांकि बाद में अमेरिकी राजनयिकों ने उनका खंडन किया। जब तक भारत और दक्षिण एशिया की अन्य संबंधित सरकारें इस क्षेत्र के लिए अपनी नीति निर्माण में अत्यधिक सावधानी नहीं बरतती हैं, तब तक वे मध्यम अवधि में खुद को म्यांमार–प्रकार के असंख्य सशस्त्र नागरिक संघर्षों में उलझा हुआ पा सकते हैं। बड़ी शक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता की परेशान करने वाली प्रवृत्ति एक और जटिल कारक है। अभी दुनिया का ध्यान बांग्लादेश में हाल ही में बड़े पैमाने पर हिंसा के प्रकोप पर केंद्रित है, जो पश्चिम द्वारा प्रायोजित शासन परिवर्तन के परिणामस्वरूप हुआ है, जिसके कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल कर दिया गया, पर कुछ विश्लेषकों ने अमेरिकी राजनीतिक चालों के बारे में उनकी गंभीर चेतावनी पर अधिक ध्यान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया था कि बांग्लादेश में लोकतंत्र और विपक्ष को दबाने के लिए सार्वजनिक रूप से उन पर हमला करने के बावजूद अमेरिका ने सेंट मार्टिन द्वीप पर कब्जा करने की कोशिश की थी और वहां सैन्य अड्डा बनाने की कोशिश की थी। अमेरिकी राजनयिकों ने संकेत दिया था कि अगर ढाका सहमत हो जाता है, तो अमेरिका इस साल जनवरी में होने वाले रार्ष्ट्रीय चुनावों में भी ज्यादा दिलचस्पी नहीं लेगा। जाहिर है, वाशिंगटन के लिए यह मायने नहीं रखता कि बांग्लादेश में अवामी लीग का शासन है या उसके विरोधियों का, जब तक कि अमेरिका के प्रमुख रणनीतिक हित सधते रहें। शेख हसीना ने पहले से ही तनावपूर्ण क्षेत्र में अमेरिका द्वारा सैन्य पैर जमाने के परिणामों के डर से इनकार कर दिया, जहां बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिद्वंद्विता जीवन की एक सच्चाई थी। अमेरिका के साथ एक समझौते ने तुरंत चीन, भारत और रूस को नाराज कर दिया होता, जो उसके तत्काल पड़ोस के तीन शक्तिशाली देश हैं जिन्होंने आर्थिक और अन्य क्षेत्रों में वर्षों से बांग्लादेश की लगातार मदद की थी। इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश में आम चुनाव हुए। विपक्षी दलों के बहिष्कार के कारण अवामी लीग ने बेशक चुनाव में जीत हासिल की, लेकिन जैसा कि आशंका थी, अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिम ने परिणाम को स्वीकार नहीं किया। सावधानीपूर्वक आयोजित हिंसा के एक तांडव के माध्यम से उन्हें राजनीतिक निर्वासन में धकेल दिया गया, जबकि उनकी पार्टी और उसके हजारों समर्थकों पर कार्रवाई की घोषणा की गयी! भविष्य के विश्लेषकोंध्इतिहासकारों को, नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस के बारे में उनका अंतिम मूल्यांकन जो भी हो, हसीना के निष्कासन के बाद अमेरिका में एक स्पष्ट स्वीकारोक्ति के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहिए। पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, अमेरिकी अधिकारियों और एनजीओ संचालकों की उपस्थिति में, यूनुस ने एक बंगाली कार्यकर्ता, एक ज्ञात कट्टरपंथी को, श्सबसे सावधानीपूर्वक संगठित (उनके सटीक शब्द) अभियान के पीछे के दिमाग के रूप में, एक उत्सव समारोह में पेश किया। दूसरे शब्दों में, बांग्लादेश में नये राजनीतिक विजेताओं को आत्म–बलिदान करने वाले स्वयंसेवकों, छात्रों या आम लोगों के संघर्षशील लोगों की एक सहज लहर द्वारा सत्ता में नहीं लाया गया था, जैसा कि शुरू में बीएनपी के नेतृत्व वाली विपक्षी पार्टियों या अन्य लोगों द्वारा दावा किया गया था। शक्तिशाली समर्थक क्लिंटन लॉबी ने हमेशा विपक्षी बीएनपी नेताओं और हसीना के विरोधी समूहों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाये रखे थे। हसीना का अंतिम निष्कासन उनके लिए एक तरह से केक पर आइसिंग की तरह था, जिसका उन्होंने भरपूर आनंद लिया, क्योंकि बांग्लादेश के भावी नेता के रूप में उनके द्वारा चुने गये यूनुस ने उन्हें निराश नहीं किया। बांग्लादेश की पटकथा ने लीबिया के नेता मुअम्मर गद्दाफी के खिलाफ इसी तरह के सफल अमेरिकी हमले की यादों को फिर से ताजा कर दिया, जिसे संगठित हिंसा के दौर के बाद अमेरिका का विरोध करने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी थी। बांग्लादेश में जो हुआ था वह यह कि अवामी लीग या एएल के नेतृत्व वाली एक विधिवत निर्वाचित सरकार को पश्चिम द्वारा प्रायोजित राजनीतिक हस्तक्षेप द्वारा तोड़ दिया गया जिसमें बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी और लोगों की जान और संपत्ति का बहुत नुकसान हुआ था। यह एक सफल शासन परिवर्तन अभियान था, जैसा कि यूक्रेन और लीबिया में पहले देखा गया था। यह निष्कर्ष निकालने के लिए किसी बड़ी राजनीतिक विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं है कि भारत सरकार को पूर्व में विकसित हो रहे हालात के मद्देनजर पश्चिमी ब्लॉक के साथ राजनीतिक जुड़ाव के अपने नियमों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है– यदि आवश्यक हो तो पुनर्विचार करने की भी। पश्चिम प्रायोजित हस्तक्षेपों के बाद यूक्रेन और लीबिया का क्या हुआ? यूक्रेन से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की खबरें आई थीं, जहां दक्षिणपंथी नाजी ताकतें, जो हमेशा यूक्रेन में मजबूत रही हैं, ने वापसी की थी। इसके अलावा डोनबास और लुगांस्क जैसे क्षेत्रों में भी एक व्यवस्थित पश्चिम–प्रेरित रूसी विरोधी अभियान शुरू किया गया था, जहां आबादी काफी हद तक रूस समर्थक थी।उनकी भाषा, चर्च, सांस्कृतिक संस्थानों और उनके मौलिक अधिकारों पर हमले किये गये। बार–बार रूस के विरोध प्रदर्शन काम नहीं आये। दुर्भाग्य से यूक्रेन या उसके उग्र नाटो समर्थकों के लिए, राष्ट्रपति पुतिन की अन्य समस्याओं ने यह दिखा दिया कि पश्चिम के साथ अपने व्यवहार में वे बोरिस येल्तसिन की तरह आसान नहीं हैं। मोदी सरकार को इस बात पर विचार करना चाहिए कि क्या इसी तरह के राजनीतिक परिणाम मध्यम अवधि में बांग्लादेश और उसकी राजनीति को परेशान नहीं कर सकते हैं? यह एक ऐसा देश है जिसकी आबादी बहुत बड़ी है और इसके प्राकृतिक संसाधन बहुत सीमित हैं, इसके दोनों ओर म्यांमार जैसा अस्थिर देश हैं और तीन तरफ इसकी सीमा भारत से लगती है, जिसे वह वास्तव में नापसंद नहीं कर सकता। क्या यह आश्चर्य की बात है कि बांग्लादेश से अलग होने की मांग पहले से ही आदिवासियों और अन्य लोगों के वर्गों से सुनी जा रही है, जो चटगांव पहाड़ी इलाकों और आस–पास के इलाकों में मुस्लिम पुलिस और सेना द्वारा लंबे समय से प्रताड़ित हैं? इसके अलावा मिजोरम के ईसाई मुख्यमंत्री लालदोहोमा ने ईसाइयों के लिए खुले तौर पर एक अलग राज्य का आह्वान किया है, जिसमें भारत, बांग्लादेश और म्यांमार को मिलाकर एक स्वतंत्र ईसाई नया राज्य बनाने का प्रस्ताव है, खास तौर पर बड़े पैमाने पर ईसाई कुकीध्जो आबादी के लिए। उन्होंने हाल ही में अमेरिका की यात्रा के दौरान अपने प्रस्ताव की रूपरेखा भी बताई, जहां उन्होंने चुनिंदा सभाओं में भाषण दिये।

ऐश्वर्या राय ने बेटी आराध्या के साथ साझा की तस्वीरें, अभिषेक बच्चन की गैरमौजूदगी नहीं आई फैंस को रास

> ऐश्वर्या ने अपने पोस्ट में परिवार की कुछ तस्वीरें शेयर की थी। इनके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मेरे जीवन के अमर प्रेम, प्यारे डैडी-अज्जा और मेरी प्यारी आराध्या को जन्मदिन की शुभकामनाएं।' इन तस्वीरों में, ऐश्वर्या अपनी मां और बेटी आराध्या बच्चन के साथ नजर आ रही हैं।

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के अलग होने की अटकलों को एक बार फिर हवा मिल गयी है। दरअसल, बीते दिन अभिनेत्री ने अपने पिता कृष्णा राय की जयंती पर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कुछ तस्वीरें साझा की थी। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद से सोशल मीडिया पर ऐश्वर्या और अभिषेक की तलाक की खबरें खूब चर्चा बटोर रही हैं। ऐश्वर्या ने अपने पोस्ट में परिवार की कुछ तस्वीरें शेयर की थी। इनके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मेरे जीवन के अमर प्रेम, प्यारे डैडी–अज्जा और मेरी प्यारी आराध्या को जन्मदिन की शुभकामनाएं।' इन तस्वीरों में, ऐश्वर्या अपनी मां और बेटी आराध्या बच्चन के साथ नजर आ रही हैं। इसके अलावा एक अन्य तस्वीर में, अभिनेत्री अपनी बेटी आराध्या के साथ दिखाई दे रही हैं। ये तस्वीर आराध्या के 13वें जन्मदिन की बताई जा रही है, जिसके सामने आने के बाद से लोग ऐश्वर्या और अभिषेक के अलग होने की बात कर रहे हैं। अनजान लोगों को बता दें, आराध्या का जन्मदिन 16 नवंबर को था। उसके जन्मदिन पर बच्चन परिवार के किसी भी सदस्य ने कोई पोस्ट नहीं डाला और अब जन्मदिन की तस्वीरों में बच्चन परिवार की गैरमौजूदगी ने लम्बे समय से उड़ रही अफवाहों को आग दे दी है। ऐश्वर्या और अभिषेक लंबे समय से एक साथ नजर नहीं आये हैं।

अभिनेत्री को हर जगह अपनी बेटी के साथ ही स्पॉट किया गया है। यहीं वजह है कि फिल्मी गलियारों में ऐश्वर्या और अभिषेक के रिश्ते में दरार आने की अफवाहें उड़ रही हैं। दोनों की तरफ से इन अफवाहों पर किसी भी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गयी है। हालांकि, प्रशंसक स्पष्टता का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

राजस्थान में भी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट टैक्स फ्री, सीएम भजनलाल ने की घोषणा

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के बाद अब राजस्थान में फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को टैक्स फ्री करने का ऐलान किया गया है। इसकी जानकारी राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दी। उन्होंने कहा कि फिल्म द साबरमती रिपोर्ट न केवल तत्कालीन व्यवस्था की वास्तविकता को प्रभावशाली रूप से उजागर करती है, बल्कि उस समय प्रचारित किए गए भ्रामक और झूठे नैरेटिव का भी खंडन करती है। सीएम भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारी सरकार ने द साबरमती रिपोर्ट फिल्म को राजस्थान में कर–मुक्त (टैक्स फ्री) करने का सार्थक निर्णय लिया है। यह फिल्म इतिहास के उस भयावह काल–खंड को यथार्थ रूप में दर्शाती है, जिसे कुछ स्वार्थी तत्वों ने अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए विकृत करने का कुत्सित प्रयास किया। उन्होंने आगे लिखा, यह फिल्म न केवल तत्कालीन व्यवस्था की वास्तविकता को प्रभावशाली रूप से उजागर करती है, बल्कि उस समय प्रचारित किए गए भ्रामक एवं मिथ्या नैरेटिव का भी खंडन करती है। इस दुर्भाग्यपूर्ण एवं हृदय विदारक घटना को फिल्म में अत्यंत संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया है। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा, श्यह फिल्म इसलिए भी अवश्य देखी जानी चाहिए क्योंकि अतीत का गहन एवं विवेचनात्मक अध्ययन ही हमें वर्तमान को समझने और भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है। इससे पहले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अभिनेता विक्रांत मैसी से वीडियो कॉल के जरिए बातचीत की। इस दौरान एक्टर मैसी ने राज्य में फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को टैक्स फ्री करने के लिए आभार भी व्यक्त किया। बता दें कि द साबरमती रिपोर्ट साबरमती एक्सप्रेस में आग लगने की घटना पर बनी है। यह घटना 27 फरवरी, 2002 को हुई थी, जिसमें झुलस कर 59 लोगों की मौत हो गई थी। फिल्म में अभिनेत्री राशि खन्ना, विक्रांत मैसी और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं और तीनों ही पत्रकार की भूमिका में हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स, विकिर फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, द साबरमती रिपोर्ट शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन द्वारा निर्मित है। फिल्म 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

शाहरुख के बेटे आर्यन के निर्देशन में डेब्यू पर खुश हुई कंगना, कहा-ये अच्छा कदम है फिल्म फैमिलीज के बच्चे कुछ नया कर रहे

> आर्यन खान की वेब सीरीज का जैसे ही ऐलान हुआ तो कंगना रनौत ने आर्यन खान के इस कदम की सराहना की। कंगना की तरफ से स्टार किड की तारीफ सुन सब हैरान रह गए, क्योंकि बॉलीवुड क्वीन जल्दी किसी की सराहना नहीं करतीं।

सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान जल्द ही वेब सीरीज से निर्देशन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पोस्ट में बताया गया कि साल 2025 में नेटफ्लिक्स और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट एक अनोखी बॉलीवुड सीरीज के लिए एक साथ आ रहे हैं, जिसका निर्माण गौरी खान करेंगी और निर्देशन आर्यन खान करेंगे। आर्यन खान की वेब सीरीज का जैसे ही ऐलान हुआ तो कंगना रनौत ने आर्यन खान के इस कदम की सराहना की। कंगना की तरफ से स्टार किड की तारीफ सुन सब हैरान रह गए, क्योंकि बॉलीवुड क्वीन जल्दी किसी की सराहना नहीं करतीं। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर आर्यन खान की वेब सीरीज से जुड़ी खबर शेयर करते हुए लिखा, ये बहुत ही अच्छा कदम है कि फिल्म फैमिलीज के बच्चे कुछ नया कर रहे हैं। वह अब सिर्फ मेकअप से लेकर वजन घटाकर खुद को एक्टर्स नहीं समझ रहे। हम सभी को मिलकर इंडियन सिनेमा के स्टैंडर्ड को ऊपर ले जाना है। हम लोगों को कैमरे के पीछे काम करने वाले लोगों की भी जरूरत है। आर्यन खान के लिए बहुत ही अच्छा कदम है कि उन्होंने नया रास्ता चुना है। दिलचस्प होगा उनके डेब्यू को बतौर डायरेक्टर और राइटर देखना। कंगना रनौत के अलावा एक्ट्रेस आलिया भट्ट, सुहाना खान, अनन्या पांडे से लेकर शनाया कपूर और करण जौहर ने भी आर्यन खान के इस कदम पर रिएक्ट किया है।

इधर एआर रहमान ने सायरा से अलग की राहें, उधर उनकी ट्रूप गिटारिस्ट मोहिनी डे ने भी पति से तोड़ा रिश्ता, बोलीं-मुझे जज मत कीजिए

> संगीतकार एआर रहमानसायरा बानो का तलाक हो रहा है। कपल ने शादी के २९ साल बाद एक-दूसरे से अपनी राहें अलग की। इसी बीच अब उनके ट्रूप की बेस गिटारिस्ट मोहिनी डे ने भी कुछ घंटे बाद पति से अलग होने का फैसला किया है।

19 नवंबर की रात को इंडस्ट्री से ऐसी खबर सामने आई जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। खबर थी कि संगीतकार एआर रहमानसायरा बानो का तलाक हो रहा है। कपल ने शादी के 29 साल बाद एक–दूसरे से अपनी राहें अलग की। इसी बीच अब उनके ट्रूप की बेस गिटारिस्ट मोहिनी डे ने भी कुछ घंटे बाद पति से अलग होने का फैसला किया है। एक इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने बताया कि वह पति मार्क हार्टसच से अपनी शादी खत्म कर रही हैं। 19 नवंबर को एक इंस्टाग्राम पोस्ट में मोहिनी ने नोट शेयर कर लिखा–भारी मन से, मार्क और मैं ऐलान करते हैं कि हम अलग हो गए हैं। यह फैसला अपसी समझ से लिया है। हालांकि हम अच्छे दोस्त रहेंगे। हम दोनों ने फैसला किया है क्योंकि दोनों ही लाइफ में अलग–अलग चीजें चाहते हैं। औप आपसी सहमति से अलग होना ही आगे बढ़ने का अच्छा तरीका है। मोहिनी ने कहा–हम अभी भी कई प्रोजेक्ट्स पर साथ काम करेंगे। जिसमें मामोही और मोहिनी डे ग्रुप शामिल है। हमें हमेशा साथ मिलकर काम करने पर गर्व है और यह जल्द ही रुकने वाला नहीं है। प्लीज इस समय हमारे प्रति थोड़ा पॉजिटिव रहकर और हमारी प्राइवेसी का सम्मान करिए और फैसले का अनादर न करिए। साथ ही खुद से ही कोई राय न बनाइए। क्योंकि वह हमें पसंद नहीं आएगा। बता दें कि मोहिनी ने एआर रहमान के साथ दुनिभार में 40 से ज्यादा शोज किए हैं और अगस्त 2023 में अपना पहला एल्बम रिलीज किया है। इनकी उम्र 29 साल है। वह सिंगर के ट्रूप में बेस गिटारिस्ट हैं।

थिएटर पर सूर्या की कंगुवा से हुई दर्शकों को निराशा

साउथ सुपरस्टार सूर्या की फिल्म कंगुवा को रिलीज हुए 6 दिन हो चुके हैं। किसी भी फिल्म की कमाई के लिए ये शुरुआती दिन काफी अहम होते हैं। लेकिन कंगुवा इस मौके का फायदा नहीं उठा पाई है। फिल्म की कमाई के ताजा आंकड़े उम्मीद के मुताबिक नहीं हैं। कंगुवा के लिए आगे का सफर लंबा नहीं लगता। दरअसल, इस समय हाल ही में रिलीज हुई फिल्में भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन अभी भी अच्छा खासा दर्शक वर्ग बटोर रही हैं। वहीं, प्रदूषण ने भी फिल्मों की कमाई को प्रभावित किया है। लोगों को सलाह दी गई है कि जब तक बहुत जरूरी न हो, घर से बाहर न निकलें। ऐसे में अगर आप भी कंगुवा देखने नहीं जाना चाहते हैं, तो घर बैठे ही ऐसी ही पृष्ठभूमि पर बनी फिल्में देख सकते हैं। दरअसल, हमारे पास आपके लिए एकदम सही फिल्म है! किस मलयालम फिल्म की कहानी की तारीफ हो रही है? मलयालम भाषा की एक एडवेंचर–ड्रामा फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी। इस एक्शन–ड्रामा फिल्म को अब डिज्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया गया है। फिल्म की कहानी एक गांव में रहने वाले परिवार की तीन पीढ़ियों की कहानी है। एक बार एक तारा टूटकर गांव में गिर जाता है। टूटे हुए तारे से कई अनमोल खजाने निकलते हैं। इन खजानों और अन्य रहस्यमयी धातुओं को मिलाकर एक देवी की मूर्ति बनाई गई थी। इस अमूल्य मूर्ति पर सभी की नज़र थी। उस मूर्ति के लिए कई अलग–अलग समूहों के बीच लड़ाई होती है। फिर यह मूर्ति अपने असली स्थान पर कैसे जाती है, यह फिल्म उसी पर आधारित है। जी हां! हम बात कर रहे हैं टोविनो थॉमस की ARM की।

क्या है कंगुवा की कहानी?

कंगुवा की कहानी की बात करें तो ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म राजा वेल परी के जीवन पर आधारित थी। वह तमिलकम में परम्बुनाडु के राजा थे। वह एक उदार राजा थे। लेकिन जब चोल, पांड्या और चेरा के बीच अपने–अपने स्थानों के विस्तार के लिए युद्ध छिड़ गया, तो तमिलकम में स्थिति खराब होती चली गई। वेल परी किंग भी बहुत साहसी थे और उन्होंने भी पीछे नहीं हटे। यह फिल्म उनके जीवन से प्रेरित और उनकी बहादुरी से प्रभावित थी।

कंगुवा का बॉक्स ऑफिस

अच्छी पब्लिसिटी, महंगे बजट और दमदार स्टार कास्ट के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पा रही है। फिल्म अब तक हिंदी दर्शकों को भी प्रभावित करने में नाकाम रही है। रिपोर्ट्स की मानें तो यह फिल्म 350 करोड़ रुपये के बजट पर बनी है। लेकिन फिल्म एक हफ्ते में बजट का आधा तो छोड़िए, 100 करोड़ रुपये भी नहीं जुटा पाई है। 6 दिनों में फिल्म का कलेक्शन 60 करोड़ रुपये रहा है, जिसे बहुत खास नहीं कहा जा सकता। आने वाले समय में इस फिल्म का कलेक्शन कैसा रहेगा, यह देखना दिलचस्प होगा।

अब फूलगोभी से कीड़े निकालना होगा बहुत आसान, अपनाएं ये सिंपल हैक्स

सीजनल सब्जियां ऑफ सीजन में कभी भी स्वादिष्ट नहीं लगती हैं। अब आप फूल गोभी को ही ले लीजिए। फूल गोभी ठंड के दिनों में आती है और इसको बनाना भी काफी आसान होता है। यह सब्जी काफी अच्छी बनती है, लेकिन इसके फूलों में कीड़े छिपे होते हैं। ऐसे में इन कीड़ों को हटाना काफी मुश्किल हो जाता है। क्योंकि यह कीड़े दिखाई नहीं देते हैं हैं और फूल पर चिपके होते हैं। तो वहीं कुछ लोगों को फूल गोभी अच्छे से काटना नहीं आता है, जिसके कारण फूल के टुकड़े–टुकड़े हो जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको फूलगोभी से कीड़े हटाने के कुछ आसान तरीकों और इसे काटने के सही तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

गोभी में कीड़े लगने की वजह

बता दें कि फूलगोभी नम वातावरण में जमीन के नीचे उगती है। जिसके वजह से इसमें कीड़े लग जाते हैं। वहीं इसके घने पत्तों और स्टेम्स में कीड़े आसानी से छिप जाते हैं। यह कीड़े फूल के अंदर गहराई तक जा सकते हैं। ऐसे में इन कीड़ों को पहली नजर में पहचानना मुश्किल होता है।

कीड़े निकालने के उपाय

नमक के पानी में भिगोना

फूल गोभी से कीड़ा निकालने का सबसे आसान और प्रभावी तरीका है कि आप इसको नमक के पानी में भिगो दें। नमक का पानी गोभी में छिपे कीड़ों और गंदगी को निकालने में सहायता करता है।

क्या करें

सबसे पहले एक बड़े कटोरे में हल्का गुनगुना पानी भर लें और इसमें 2–3 चम्मच नमक डालकर इसको घुलने दें।

अब गोभी को बड़े टुकड़े में काटकर इन्हें 15–20 मिनट के लिए पानी में डुबोकर रखें। इसके बाद गोभी को पानी में डालकर धीरे–धीरे घुमाएं और अब गोभी को ठंडे पानी से धो लें, जिससे कि बचा हुआ नमक और कीड़े निकल जाएं। यह उपाय गोभी से कीड़े निकालने के लिए काफी कारगर साबित होगी। क्योंकि नमक कीड़ों को इरिटेट करता है।

हल्दी के पानी में डुबोएं

फूल गोभी से कीड़े निकालने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसको हल्दी के पानी में कुछ देर के लिए डुबो दें। हल्दी जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुणों के लिए जानी जाती है। इसकी तेज महक कीड़ों को निकालने में मदद करती है।

क्या करें

सबसे पहले एक बड़े कटोरे में गर्म पानी में 1–2 चम्मच हल्दी पाउडर मिलाएं। अब इसमें 15 मिनट के लिए गोभी भिगोने के लिए डाल दें। अब 15 मिनट बाद पानी निकालकर गोभी को अच्छे से धो लें, जिससे कि हल्दी अच्छे से साफ हो जाए। क्योंकि हल्दी का पानी बैक्टीरिया मारने और फूलों की दरारों से कीड़े को बाहर निकालने में सहायता करता है।

ब्लांचिंग की मदद से निकाले कीड़े

बता दें कि फूल गोभी को ब्लांच करने से इसमें मौजूद कीड़े निकल जाएंगे और सब्जी भी आसानी से पक जाएगी। वहीं ब्लांच करके आप इसको फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

क्या करें

सबसे पहले बड़े बर्तन में पानी उबाल लें और गोभी को बड़े–बड़े टुकड़ों में काटकर उसे उबलते हुए पानी में 2–3 मिनट के लिए रखें। गोभी को ब्लांच करने के बाद फौरन इसे बर्फ के ठंडे पानी के कटोरे में डालें, जिससे कि फूल गोभी के पकने की प्रक्रिया खत्म हो जाए। अब पानी को छानकर फूलगोभी को ध्यान से जांच लें, हालांकि ब्लांच करने पर हीट करने की वजह से कीड़े मर जाएंगे या फिर बाहर निकल जाएंगे। इसके बाद आप चाहें तो गोभी को आगे के लिए स्टोर करके रख सकती हैं।

फूल गोभी काटने का सही तरीका

क्या आपको भी फूल गोभी का एक–एक फूल अलग करने में मुश्किल का सामना करते हैं। तो आप हमारे बताए गए तरीकों को फॉलो कर एक समान फूल काट लेंगे। सबसे पहले फूल गोभी के बाहरी पत्तों को हटा लें, क्योंकि इनमें ज्यादा कीड़े होते हैं। अब गोभी के निचले हिस्से से मोटी और बड़ी हरी पत्तियां हटाएं। आप चाहें तो इनको हाथों से तोड़कर अलग कर सकते हैं। फूल गोभी के तने का भी उपयोग किया जाता है।

सर्दियों में बिना धूप के भी हरा–भरा रहेगा तुलसी का पौधा जानें, आसान टिप्स!

तुलसी का पौधा भारतीय संस्कृति और हर घर का अभिन्न हिस्सा है। इसे पवित्र और औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है। लेकिन सर्दियों के मौसम में तुलसी का पौधा बेहद नाजुक हो जाता है और इसकी सही देखभाल करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ठंडी और शुष्क हवाओं के कारण तुलसी के पत्ते मुरझाने लगते हैं, और अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो पौधा पूरी तरह सूख सकता है। ऐसे में सही देखभाल से आप सर्दियों में भी इसे हरा–भरा और स्वस्थ बनाए रख सकते हैं।

सर्दियों में तुलसी की देखभाल के प्रभावी उपाय

सही स्थान पर रखें

सर्दियों में तुलसी के पौधे को ठंडी हवा से बचाने के लिए इसे ऐसी जगह रखें, जहां हल्की धूप मिले। अगर घर में पर्याप्त धूप नहीं आती, तो इसे खिड़की के पास रखें, जहां थोड़ी रोशनी पहुंच सके। पौधे को ऐसी जगह पर बिल्कुल न रखें, जहां सीधी ठंडी हवा लगती हो, क्योंकि इससे पत्तियां मुरझा सकती हैं। अगर बाहर रखना मजबूरी हो, तो इसे रात में किसी कपड़े या प्लास्टिक से ढक दें।

पानी का सही मात्रा में उपयोग करें

सर्दियों में तुलसी को ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती। अगर मिट्टी को बार–बार गीला रखा जाए, तो जड़ें सड़ सकती हैं। पानी तभी दें, जब मिट्टी पूरी तरह सूखी महसूस हो। पौधे को अधिक पानी देने से बचें और हल्का–सा पानी देकर मिट्टी को नम रखें। पानी देने का सबसे अच्छा समय सुबह का होता है, ताकि दिन में नमी पूरी तरह सोख ली जाए।

खाद देने से बचें

सर्दियों में तुलसी का पौधा सुप्तावस्था में चला जाता है, जिसमें इसका विकास धीमा हो जाता है। इस दौरान पौधे में खाद डालना हानिकारक हो सकता है, क्योंकि यह खाद पौधे को जलाने का काम कर सकती है। दिसंबर और जनवरी के महीनों में खाद देने से बचें। यदि आपको खाद देनी ही हो, तो फरवरी में थोड़ा–सा जैविक खाद डाल सकते हैं।

ठंड से बचाव के उपाय

तुलसी के पौधे को ठंड से बचाने के लिए सबसे अच्छा तरीका है, इसे घर के अंदर रखे। अगर घर के अंदर जगह नहीं है, तो रात में इसे किसी गमले के कवर या पॉलीथिन से ढक दें। इससे पौधे को पाले से बचाया जा सकता है। ध्यान रखें कि सुबह होते ही कवर हटा दें, ताकि पौधे को ताजी हवा मिल सके।

सूखी पत्तियों को हटाएं

सर्दियों में तुलसी के पौधे पर सूखी और मुरझाई हुई पत्तियां दिखने लगती हैं। इन्हें समय–समय पर हटाना बहुत जरूरी है, क्योंकि ये पौधे की ऊर्जा को बेकार करती हैं। सूखी पत्तियों को हटाने से पौधा नई पत्तियों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।

पौधे को नियमित साफ करें

तुलसी के पौधे की पत्तियों और मिट्टी पर सर्दियों में धूल जमा हो सकती है, जिससे इसका विकास रुक सकता है। पत्तियों को समय–समय पर गीले कपड़े से साफ करें। इसके अलावा, मिट्टी को थोड़ा ढीला कर दें, ताकि जड़ों को पर्याप्त ऑक्सीजन मिल सके।

गमले का सही चुनाव करें

सर्दियों में मिट्टी जल्दी ठंडी हो जाती है, इसलिए ऐसे गमले का उपयोग करें जो तापमान को नियंत्रित कर सके। मिट्टी के गमले तुलसी के लिए सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि ये प्राकृतिक रूप से नमी और हवा को संतुलित रखते हैं।

धूप का ध्यान रखें

सर्दियों में तुलसी को रोजाना 2–3 घंटे धूप मिलनी चाहिए। अगर धूप उपलब्ध न हो, तो इसे ऐसी जगह पर रखें, जहां प्राकृतिक रोशनी अच्छी तरह पहुंचती हो। धूप की कमी से पौधा कमजोर और पत्तियां बेजान हो सकती हैं।

पौधे को सहारा दें

अगर तुलसी का पौधा सर्द हवाओं में झुकने लगे या कमजोर हो जाए, तो इसे लकड़ी या पतले डंडे का सहारा दें। यह पौधे को टूटने से बचाने में मदद करेगा।तुलसी का पौधा न केवल आपके घर की खूबसूरती बढ़ाता है, बल्कि यह वातावरण को शुद्ध करने और सकारात्मक ऊर्जा लाने में भी सहायक होता है। सर्दियों में इसकी सही देखभाल से यह न केवल स्वस्थ रहेगा, बल्कि इसके औषधीय गुण भी बरकरार रहेंगे। सर्दियों में तुलसी की देखभाल में थोड़ा अधिक ध्यान देने की जरूरत होती है। सही स्थान, पानी और ठंड से बचाव के उपाय अपनाकर आप इसे सर्दी के मौसम में भी हरा–भरा और जीवंत बनाए रख सकते हैं।

मूड, नींद और सेहत के लिए जरूर सेकें धूप, जानें सूरज की रोशनी में बैठने का क्या है सही समय

सूर्य की किरणें शरीर में विटामिन डी का प्राकृतिक स्रोत हैं। विटामिन डी हमारी हड्डियों की मजबूती, इम्यून सिस्टम, और समग्र स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है। सूर्य की किरणें स्वास्थ्य का खजाना हैं, लेकिन उन्हें सही समय और सीमा में लेना ही सही तरीका है। सूर्य की रोशनी से विटामिन डी कैसे और कब लें, यह समझना महत्वपूर्ण है ताकि आप इसके अधिकतम लाभ उठा सकें।

सूर्य से विटामिन डी कैसे मिलता है?

जब हमारी त्वचा सूर्य की यूवीबी किरणों के संपर्क में आती है, तो यह शरीर में विटामिन डी3 का उत्पादन शुरू करती है। यह विटामिन डी का सक्रिय रूप है, जो शरीर में कैल्शियम और फॉस्फोरस को अवशोषित करने में मदद करता है।

विटामिन डी लेने का सही समय

सुबह की सूरज की किरणें हल्की होती हैं और त्वचा पर कोमल प्रभाव डालती हैं। सुबह 8.00 से 10.00 बजे के बीच सूर्य की किरणें लेना अधिक सुरक्षित और फायदेमंद है। इस समय यूवीबी किरणें त्वचा को कम नुकसान पहुंचाती हैं। दोपहर 11.00 से 1.00 बजे के बीच सूर्य की किरणों में यूवीबी किरणें सबसे ज्यादा होती हैं, जिससे विटामिन डी का उत्पादन तेजी से होता है। हालांकि, इस समय सूर्य की किरणें त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं (सनबर्न और स्किन कैंसर का खतरा)। अगर आप इस समय धूप लेते हैं, तो 10–15 मिनट से ज्यादा समय न बिताएं।

ध्यान देने योग्य बातें

– कपड़ों या सनस्क्रीन से ढकी त्वचा सूर्य की किरणों को अवशोषित नहीं कर पाती। इसलिए, हाथ, पैर, और चेहरे को खुला रखें।

–अधिक समय तक तेज धूप में रहने से बचें।

– कांच के माध्यम से सूर्य की किरणों से विटामिन डी नहीं बनता।

विटामिन डी से शरीर को होने वाले फायदे

हड्डियों की मजबूतीः यह कैल्शियम को अवशोषित करता है और हड्डियों को मजबूत बनाता है। ऑस्टियोपोरोसिस और रिकेट्स'' जैसी बीमारियों से बचाता है।

इम्यून सिस्टम मजबूत करता हैः शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। सर्दी–जुकाम जैसी बीमारियों को रोकने में सहायक है।

दिल का स्वास्थ्यः यह दिल की मांसपेशियों को मजबूत करता है और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है।

मानसिक स्वास्थ्य– डिप्रेशन को कम करने और मूड सुधारने में मदद करता है। यह सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर को नियंत्रित करता है।

मोटापे और डायबिटीज का खतरा कम करता हैः विटामिन डी शरीर में इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित करता है।

विटामिन डी की कमी के लक्षण

1. थकान और कमजोरी।
2. हड्डियों और जोड़ों में दर्द।
3. बालों का झड़ना।
4. बार–बार संक्रमण होना।
5. मांसपेशियों की कमजोरी।

विटामिन डी शरीर के लिए आवश्यक है, और इसे प्राकृतिक रूप से प्राप्त करना सबसे अच्छा तरीका है। इसे सही मात्रा में लेने से आपकी हड्डियां, इम्यून सिस्टम, और समग्र स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। यदि आपको विटामिन डी की कमी है, तो डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

केरल की यह अद्भुत जगह देख भूल जाएंगे मुन्नार और वायनाड, पार्टनर के साथ बिता आएं क्वालिटी टाइम

अक्सर लोग छुट्टी मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। वैसे तो हमारे देश में घूमने के लिहाज से कई बेहतरीन जगहें मौजूद हैं। लेकिन जब दक्षिण भारत के किसी शानदार जगह पर घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले केरल का नाम लेते हैं। केरल विश्व प्रसिद्ध टूरिस्ट प्लेस है। अरब सागर के तट पर स्थित केरल में एक से एक बेहतरीन जगहें हैं। यहां पर न सिर्फ देश से बल्कि विदेशी लोग भी घूमने के लिए पहुंचते हैं। वहीं मुन्नार में मौजूद रानीपुरम एक ऐसी जगह है, जिसकी खूबसूरती देख यकीनन आप वायनाड और मुन्नार जैसे फेमस हिल स्टेशनों को भूल जाएंगे। ऐसे में अगर आप भी केरल घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको रानीपुरम की खासियत और यहां मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रानीपुरम

केरल के कासरगोड जिले में स्थित रानीपुरम एक बेहद खूबसूरत, अद्भुत और शानदार हिल स्टेशन है। यह केरल के छिपे हुए खजानों में से एक माना जाता है। यह ऊंचे–ऊंचे पहाड़, आकर्षक नजारे और सदाबहार वनस्पतियों के लिए पूरे राज्य में फेमस है। रानीपुरम का शांत और सुकून भरा वातावरण पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। आप यहां पर परिवार या पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

बता दें कि रानीपुरम में कई बेहतरीन और अद्भुत जगहें मौजूद हैं, जहां पर घूमने के बाद आप मुन्नार और वायनाड जैसी जगहों को यकीनन भूल जाएंगे।

वाइल्डलाइफ सेंक्चुअरी

अगर रानीपुरम में किसी शानदार और मनमोहक जगह घूमने की बात की जाए, तो रानीपुरम वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी का नाम सबसे पहले आता है। समुद्र तल से करीब 750 मीटर पर मौजूद यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए हसीन जन्नत के समान है। रानीपुरम वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी सिर्फ केरल ही नहीं बल्कि कर्नाटक की खूबसूरती को बढ़ाता है। यह कर्नाटक की सीमा पर मौजूद है और आप यहां पर बाघ, हाथी, जंगली सुअर, जंगती बंदर और हिरण आदि कई जानवरों को बेहद करीब से देख सकते हैं।

रानीपुरम ट्रेक

यह ट्रेक किसी हसीन ख्वाब से कम नहीं हैं। क्योंकि रानीपुरम ट्रेक कासरगोड की सबसे ऊंची चोटी है। जब आप इस ट्रेक पर जाते हैं, तो आपको अपने चारों ओर लुभावने और मनमोहक दृश्य दिखाई देते हैं। इस ट्रेक की हरियाली भी पर्यटकों को खूब लुभाती है। चोटी की ऊंचाई से आसपास का नजारा बेहद खूबसूरत लगता है।

मालोम गांव

बता दें कि रानीपुरम से कुछ ही दूरी पर मालोम गांव है। यह गांव प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है। यहां पर ऊंचे–ऊंचे पहाड़, चाय और कॉफ़ी के बागानों के बीच मौजूद यह गांव खूबसूरती का खजाना माना जाता है। आप मालोम गांव में केरल की पारंपरिक और सांस्कृतिक रिवाजों को करीब से देख सकते हैं। इसके साथ ही चाय और कॉफी के बागानों की फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

संक्षिप्त

बवाल के बीच अडानी समूह ने जारी किया स्पष्टीकरण, अमेरिकी एजेंसी की ओर से लगाए गए आरोपों को बताया निराधार

अमेरिकी अभियोजकों द्वारा अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी और अन्य भारतीय अधिकारियों पर कथित रिश्वत योजना में शामिल होने का आरोप लगाते हुए दायर आरोपों के जवाब में कंपनी की ओर स्पष्टीकरण जारी किया गया है। अडानी समूह के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी न्याय विभाग और अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा अडानी ग्रीन के निदेशकों के खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं और खंडन किए गए हैं। इसमें आगे कहा गया है कि जैसा कि स्वयं अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा है, ष्अभियोग में आरोप आरोप हैं और प्रतिवादियों को तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि वे दोषी साबित न हो जाएं।ष हरसंभव कानूनी सहारा लिया जाएगा। अदाणी के साथ जिन अन्य लोगों पर आरोप लगे हैं, उनमें उनके भतीजे और अडानी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी और कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रहे विनीत जैन शामिल हैं। जैन 2020 से 2023 तक कंपनी के सीईओ थे और वह इसके निदेशक मंडल के प्रबंध निदेशक हैं। बासठ वर्षीय अदाणी पर बुधवार को प्रतिभूति धोखाधड़ी करने और उसकी साजिश रचने के आरोप लगाए गए। उनके खिलाफ दो मामले ब्रुकलीन की संघीय अदालत में दर्ज किए गए हैं। यह मामला अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एक अन्य कंपनी के लिए भारत सरकार को 12 गीगावाट सौर ऊर्जा बेचने को लेकर अधिकारियों को रिश्वत देने से जुड़ा है। अभियोग में अदाणी और अन्य पर भारत में अरबों डॉलर के अनुबंध और वित्त पोषण हासिल करने के लिए सरकारी अधिकारियों को लगभग 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने या देने की योजना बनाने के आरोप हैं।

मप्र सरकार के विकास अभियान से 3.25 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा: मोहन यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विकास पहलों से प्रदेश में 2.7 लाख करोड़ का निवेश आएगा और 3.25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, यादव ने भोपाल में प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलनों के आयोजन और राज्यों के निवेशकों के साथ वार्ता सत्रों के बाद मध्यप्रदेश में 'औद्योगिक विकास का माहौल बना

है।' उन्होंने घोषणा की कि वर्ष 2025 को मप्र में 'उद्योग वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए 24 से 29 नवंबर तक जर्मनी और ब्रिटेन का दौरा करेंगे। यादव ने कहा कि तानसेन समारोह ग्वालियर के अलावा रीवा, जबलपुर, गुना, दतिया, शिवपुरी, खंडवा और ओरछा शहरों में आयोजित किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि विस्तार कार्यक्रम के तहत तानसेन की स्मृति में संगीत कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश के बाहर चार स्थानों– जयपुर, वाराणसी, बड़ौदा और खैरागढ़ में भी किया जाएगा। यादव ने कहा कि गुजरात दौरे के दौरान उन्हें मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की कार्यप्रणाली और अन्य बेहतरीन प्रक्रियाओं की जानकारी मिली।

दूसरी तिमाही में सुस्ती पीछे छूटी, निजी खपत से घरेलू मांग को मिल रही गति : आरबीआई बुलेटिन

मुंबई। देश में दूसरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती अब बीते दिनों की बात है। त्योहारों के दौरान खर्च से निजी खपत मांग को गति दे रही है और मध्यम अवधि का परिदृश्य मजबूत बना हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को जारी अपने बुलेटिन में यह कहा है। नवंबर माह के बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर एक लेख में

यह भी कहा गया है कि चुनौतियों और बढ़ते संरक्षणवाद के बीच 2024 की चौथी तिमाही के दौरान वैश्विक आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। इसमें कहा गया, ''देश में, 2024–25 की दूसरी तिमाही में जो कुछ सुस्ती देखी गयी थी, वह अब पीछे छूट गई है। इसका कारण यह है कि निजी खपत घरेलू मांग को गति दे रही है और त्योहारों के दौरान खर्च ने तीसरी तिमाही में वास्तविक गतिविधियों को बढ़ाया है। लेख में कहा गया, ''मध्यम अवधि का दृष्टिकोण तेजी का बना हुआ है क्योंकि वृहद आर्थिक बुनियाद की स्वाभाविक ताकत खुद को फिर से स्थापित कर रही है।'' आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा के नेतृत्व वाली टीम के लिखे इस लेख में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती दिखा रही है। इसका कारण त्योहार से जुड़ी खपत और कृषि क्षेत्र में सुधार है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के दौरान कोहली के पास सचिन से आगे निकलने का मौका, बन सकते हैं कई रिकॉर्ड

पर्थ, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत होने जा रही है। भारत ने 2018–19 में विराट कोहली के नेतृत्व में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके बाद 2020–21 में भी भारत ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराने में सफल रहा था। भारतीय टीम की नजरें अब ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टेस्ट सीरीज की जीतने की हैट्रिक लगाने पर होंगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुक्रवार से पर्थ में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारत पिछले दौरे पर कोहली की कप्तानी में आया था। हालांकि, वह एडिलेड में खेले गए शुरुआती टेस्ट के बाद स्वदेश लौट गए थे। पहले टेस्ट में टीम इंडिया 36 रन पर ऑलआउट हो गई थी, लेकिन फिर अगले मैच से अजिंक्य रहाणे ने कमान संभाली और मेलबर्न तथा ब्रिसबेन में जीत दर्ज कर सीरीज 2–1 से अपने नाम करने में सफल रही थी। भारत को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू जमीन पर टेस्ट सीरीज में 0–3 की हार का सामना करना पड़ा था और अब उसकी कोशिश उस पुरानी कड़वी यादों को पीछे छोड़कर नई शुरुआत करने की होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ हार से भारत की विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं पर भी असर पड़ा है। टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में शीर्ष पर थी, लेकिन करारी हार के बाद वह दूसरे स्थान पर खिसक गई। भारत को अगर डब्ल्यूटीसी के फाइनल में जगह बनानी है तो उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार हाल में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 4–0 से अपने नाम करनी होगी। इस दौरे पर विराट कोहली के पास दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से आगे निकलने का मौका भी रहेगा। वहीं, यशस्वी जायसवाल और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भी कई उपलब्धियां अपने नाम दर्ज कर सकते हैं। कोहली का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड बेहतर है और उन्होंने 13 मैचों में 54.

08 के औसत से 1352 रन बनाए हैं। कोहली ने इस दौरान छह शतक और चार अर्धशतक लगाए हैं। इतना ही नहीं वह 2011–12 और 2014–15 दौरे पर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक सीरीज में कोहली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014–15 दौरा रहा था जब उन्होंने चार मैचों में 86.50 के औसत से 692 रन बनाए थे जिसमें चार शतक और एक अर्धशतक शामिल हैं।

कोहली अपने नाम कर सकते हैं कई उपलब्धियां

350 रन बनाते ही कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। वह इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ देंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सचिन पहले और श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, कोहली अगर इस दौरे पर एक भी शतक जड़ने में सफल रहे तो वह ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। कोहली इस मामले में सचिन के छह शतकों की बराबरी पर चल रहे हैं।

यशस्वी के पास एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने का मौका

भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी ऑस्ट्रेलिया दौरे को खास बना सकते हैं। अगर वह इस सीरीज में 444 रन बनाने में सफल रहे तो एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड सचिन के नाम है जिन्होंने 2010 में 1562 रन बनाए थे। इतना ही नहीं, यशस्वी 15 रन बनाते ही मुख्य कोच गौतम गंभीर को पीछे छोड़ देंगे और एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाज बन जाएंगे। गंभीर ने 2008 में 1134 रन बनाए थे और यशस्वी उन्हें पीछे छोड़ने के काफी करीब हैं।

भारत के लिए सबसे तेजी से 550 विकेट पूरे कर सकते हैं अश्विन

भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन टेस्ट में सबसे तेजी से 550 विकेट पूरे कर सकते हैं। अनिल कुंबले ने 115 पारियों में ऐसा किया था। ओवरऑल यह रिकॉर्ड फिलहाल श्रीलंका के पूर्व दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है जिन्होंने 94 टेस्ट पारियों में ही 550 विकेट पूरे कर लिए थे। वहीं, 13 विकेट लेते ही अश्विन ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टेस्ट में भारत के सबसे सफल गेंदबाज बन जाएंगे। कपिल देव के नाम फिलहाल यह रिकॉर्ड दर्ज है जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में 11 टेस्ट मैचों में 51 विकेट लिए हैं।

जोमैटो में निकली जॉब, एक साल तक नहीं मिलेगी सैलरी, कैंडिडेट को देने होंगे 20 लाख रुपये

फिर भी आए 10,000 एप्लीकेशन

जोमैटो में नौकरी करने के लिए कई लोग उत्सुक है। इसकी जानकारी इसी से देखने को मिलते हैं कि जोमैटो ने नौकरी पर हायरिंग का अलर्ट शेयर किया था, जिसके 24 घंटे के भीतर ही 10 हजार से अधिक आवेदन आ चुके है। ये हायरिंग चीफ ऑफ स्टाफ की भूमिका के लिए है। ज़ोमैटो के सह–संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल ने बताया है कि आवेदन की अंतिम तिथि गुरुवार शाम 6 बजे है। दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, हमारे पास 10,000 से अधिक आवेदन आ चुके है। इनमें से कई कैंडिडेट्स पर अच्छे से चर्चा हो चुका है। इनमें से कई ऐसे थे जिनके पास पूरा पैसा है, जिनके पास थोड़ा पैसा है, जो कहते हैं कि उनके पास पैसा नहीं है, जिनके पास वास्तव में पैसा नहीं है। गौरतलब है कि बुधवार को ही दीपिंदर गोयल ने नौकरी का एक विवरण शेयर किया था। इसके मुताबिक चीफ ऑफ स्टाफ को ज़ोमैटो को उसकी धर्मार्थ पहल फीडिंग इंडिया के लिए 20 लाख रुपये (पहले वर्ष के वेतन के बराबर) का भुगतान करना होगा। दीपिंदर गोयल ने चयन प्रक्रिया के बारे में आगे की जानकारी देने का वादा किया, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स ने इस घटना को मार्केटिंग का हथकंडा बताया। ज़ोमैटो बॉस का हालिया अपडेट सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ़ मिली कड़ी आलोचना के बाद आया है, जब उद्योगपति हर्ष गोयनका सहित कई उपयोगकर्ताओं ने बताया कि अपरंपरागत कॉल से अच्छी क्षमता वाले लेकिन पैसे की ताकत के बिना उम्मीदवारों को बाहर कर दिया जाएगा। उद्योगपति हर्ष गोयनका ने एक्स पर लिखा, 20 लाख रुपए की फीस में प्रतिभाशाली लेकिन वंचित उम्मीदवार शामिल नहीं हैं। नौकरी के लिए पैसे मांगना शोषणकारी लगता है, भले ही इसे 'सीखने' के तौर पर पेश किया गया हो। दूसरे साल के वेतन पर स्पष्टता का अभाव, अभिनव विचार – हां मुझे यह पसंद है (अच्छा पीआर मूल्य भी) फिर भी यह नैतिक चिंताएं पैदा करता है। बुधवार शाम को ज़ोमैटो के बॉस ने घोषणा की थी : मैं अपने लिए एक चीफ़ ऑफ़ स्टाफ़ की तलाश कर रहा हूँ। हालाँकि, यह भूमिका ऐसी नौकरियों के साथ आने वाले सामान्य लाभों वाली पारंपरिक भूमिका नहीं है। वास्तव में, हम इस नौकरी को ज़्यादातर लोगों के लिए अनाकर्षक बना रहे हैं। पहले साल इस भूमिका के लिए कोई वेतन नहीं है। वास्तव में, आपको इस अवसर के लिए 20 लाख रुपये का भुगतान करना होगा। इस फीस का 100 प्रतिशत सीधे फीडिंग इंडिया को दान के रूप में दिया जाएगा। इसके अलावा, यह दर्शाने के लिए कि कंपनी पैसे बचाने की कोशिश नहीं कर रही है, ज़ोमैटो कर्मचारी की पसंद के अनुसार किसी चौरिटी में 50 लाख रुपये (चीफ ऑफ स्टाफ के वेतन के बराबर) का योगदान देगी।

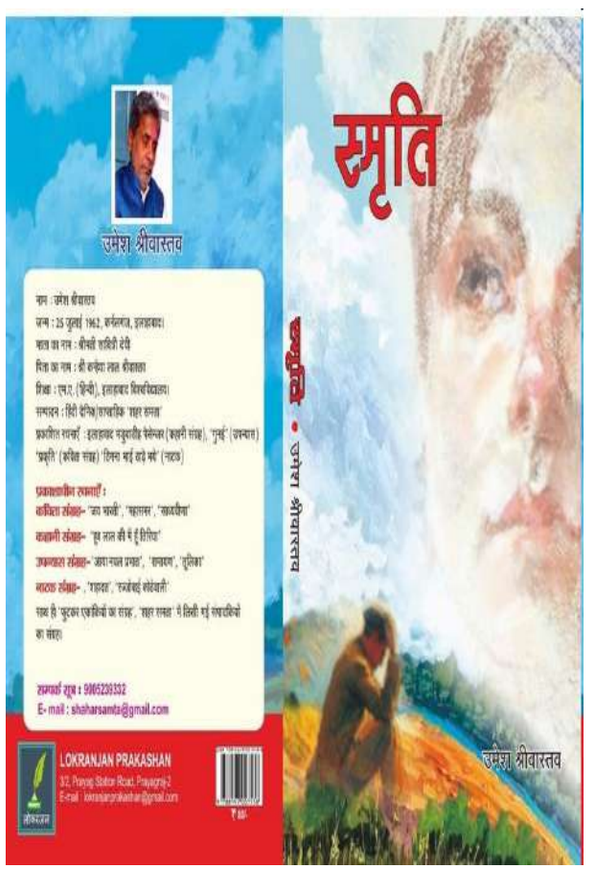

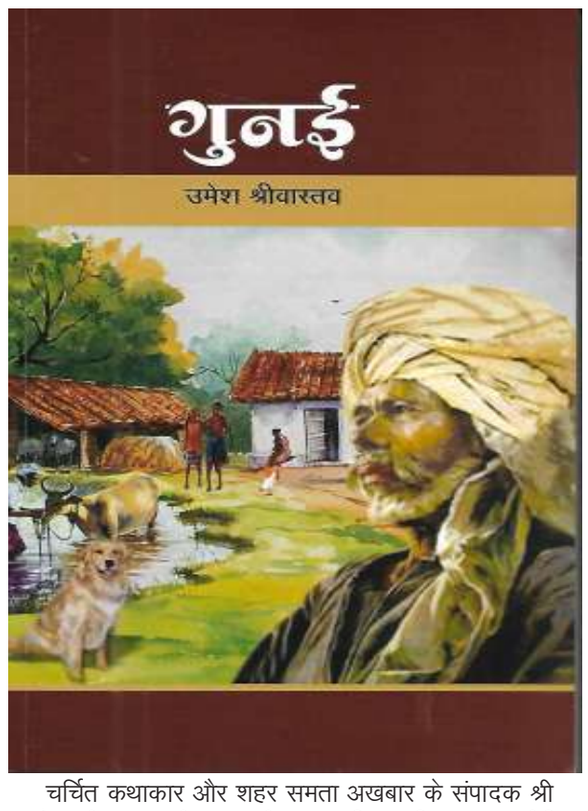

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

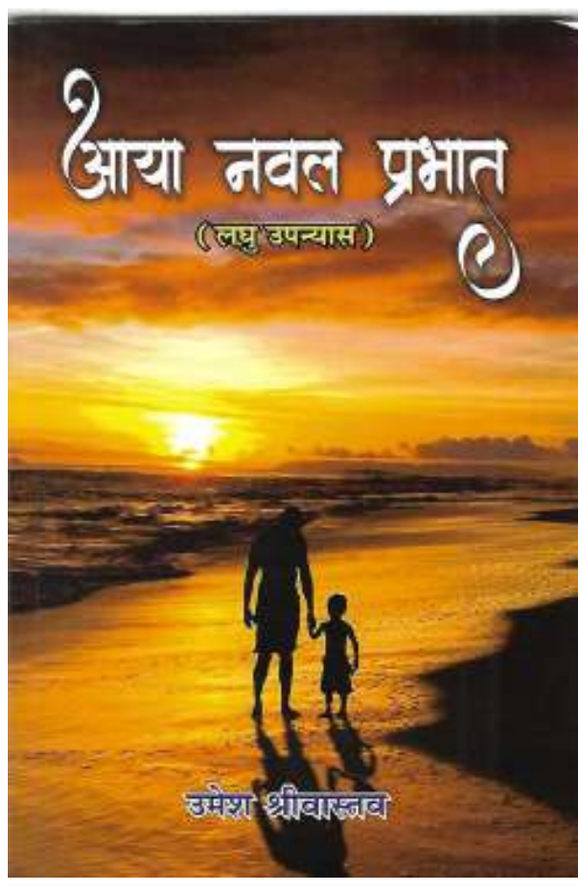

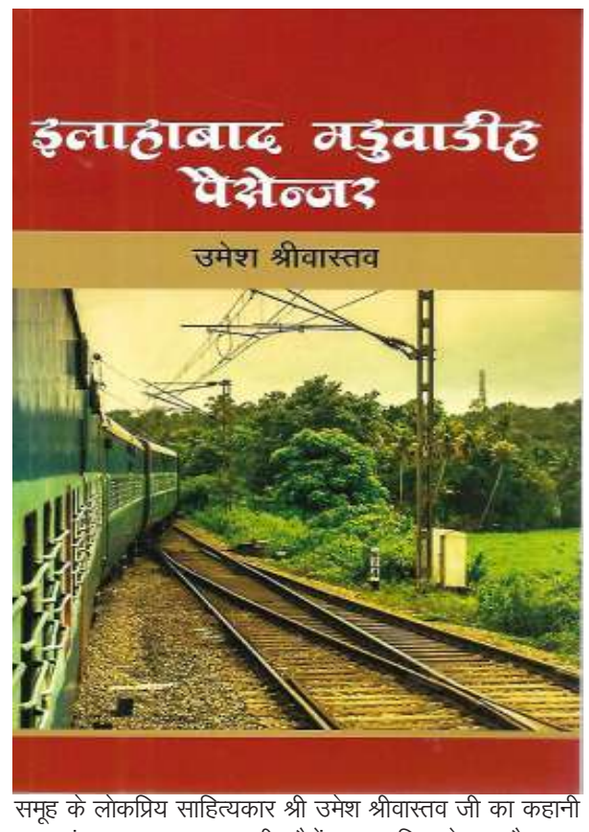

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

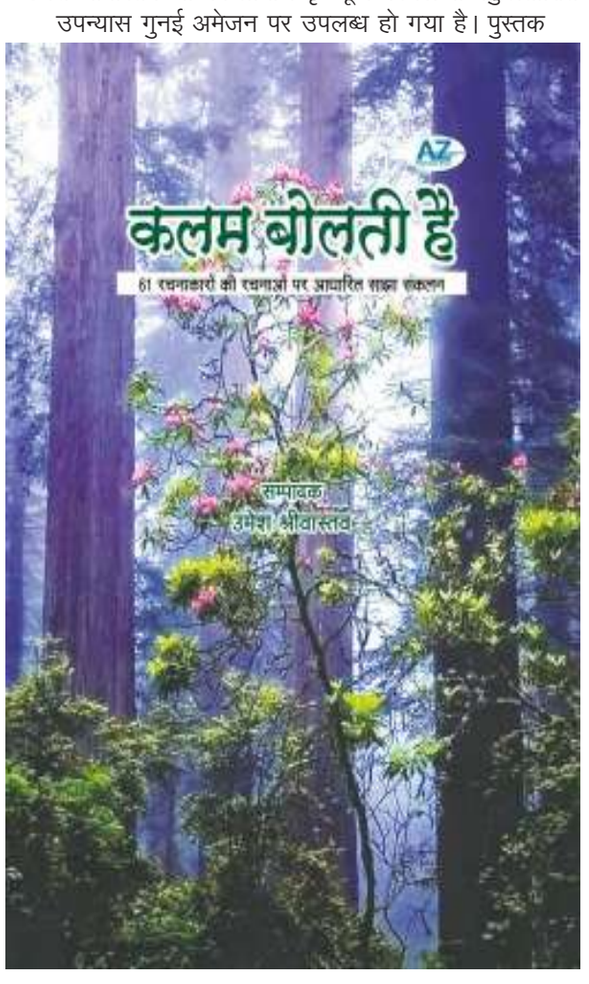

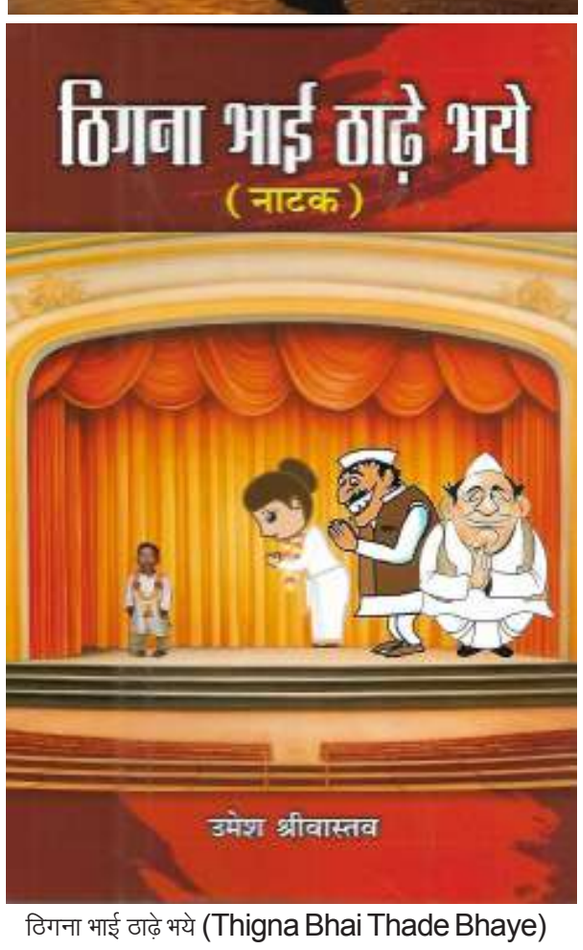

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान विरोध प्रदर्शन मामले में गिरफ्तार

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में जमानत मिलने के कुछ ही घंटों बाद विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया गया। इस नयी गिरफ्तारी से खान के रिहा होने की संभावना समाप्त हो गई है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने बुधवार को खान को

तोशाखाना से जुड़े दूसरे मामले में जमानत दे दी थी जिसके बाद उनकी रिहाई की उम्मीदें बढ़ गई थीं। यह मामला महंगे बुलगारी आभूषण सेट को बहुत कम कीमत पर खरीदने से जुड़ा हुआ है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के कुछ घंटों बाद ही रावलपिंडी पुलिस ने न्यू टाउन पुलिस स्टेशन में आतंकवाद और अन्य आरोपों पर दर्ज मामले के सिलसिले में देर रात खान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोप लगाया कि खान ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में कैद के दौरान 28 सितंबर को रावलपिंडी में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। समाचारपत्र 'डॉन' ने एक पुलिस प्रवक्ता के हवाले से बताया कि खान को 28 सितंबर को दर्ज मामले में हिरासत में लिया गया है और एक टीम को आरोपों की जांच का काम सौंपा गया है। मामले में औपचारिक गिरफ्तारी से पहले ही, संघीय सूचना मंत्री ए तरार ने यह कहकर उनकी रिहाई की संभावना को खारिज कर दिया था कि खान नौ मई 2023 की हिंसा से संबंधित आठ मामलों में वांछित हैं और जेल से रिहा होने से पहले उन्हें सभी मामलों में जमानत लेनी होगी।

पलमीरा पर इजराइल के हमले में 36 लोग मारे गए : सीरियाई मीडिया

सीरिया के ऐतिहासिक शहर पलमीरा पर बुधवार को हुए हमले में 36 लोग मारे गए और 50 से अधिक लोग घायल हो गए। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। दमिश्क ने इस हमले के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि इजराइली सेना ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। समाचार एजेंसी 'सना' ने कहा कि हमलों से इमारतों और आस–पास के क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा है। पलमीरा अपने आसपास के ऐतिहासिक रोमन मंदिर परिसर के लिए जाना जाता है। इजराइल अकसर सीरिया में ईरान से संबद्ध समूहों से जुड़े सैन्य स्थलों और प्रतिष्ठानों को निशाना बनाता है, लेकिन इसकी जिम्मेदारी शायद ही कभी लेता है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में नाबालिग हिंदू लड़की का अपहरण का धर्मांतरण कराया गया

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 10 वर्षीय एक हिंदू लड़की को अगवा करके जबरन उसकी शादी एक मुस्लिम व्यक्ति से कराने का मामला सामने आया है। हालांकि, अधिकारियों ने उसे बचा लिया है। सिंध प्रांत के ग्रामीण क्षेत्रों में हिंदू समुदाय के लिए नाबालिग और किशोर हिंदू लड़कियों का अपहरण, जबरन धर्मांतरण और विवाह एक बड़ी समस्या बनी हुई

है। पाकिस्तान दरावर इत्तेहाद (अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए गठित एक गैर सरकारी संगठन) के अध्यक्ष शिवा काछी के अनुसार एक अन्य मामले में संघर में एक 15 वर्षीय हिंदू लड़की की 50 वर्षीय मुस्लिम व्यक्ति से जबरन शादी करा दी गई, जिसे अभी तक बरामद नहीं किया जा सका है। शिवा ने बुधवार को बताया कि कुछ भ्रष्ट पुलिसकर्मियों की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाते हैं और जब पीड़ित के माता–पिता/वकील मामला अदालत में ले जाते हैं तो उन्हें अदालत में पेश कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि 10 वर्षीय लड़की को पिछले सप्ताह मीरपुरखास के कोट गुलाम मुहम्मद गांव में उसके घर के बाहर से अगवा कर लिया गया और उसे सरहंदी एयर समारो मदरसा ले जाया गया। उन्होंने कहा कि लड़की को इस्लाम स्वीकार करने के लिए मजबूर किया गया और फिर उसकी शादी शाहिद तालपुर से कर दी गई, लेकिन जब इस मुद्दे को क्षेत्र के अधिकारियों के समक्ष उठाया गया तो एसएसपी पुलिस अनवर अली तालपुर ने हस्तक्षेप किया और लड़की को बरामद कर उसके घर वापस भेज दिया गया।

ट्रंप ने नाटो, कनाडा में अमेरिकी राजदूत के नाम का ऐलान किया

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में अमेरिकी राजदूत के लिए कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल मैथ्यू जी व्हिटेकर और कनाडा में पूर्व सांसद पीट होकेस्ट्रा को नामित किया। होकेस्ट्रा ने कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में मिशिगन के सेकंड डिस्ट्रिक्ट का लगभग 20 वर्षों तक प्रतिनिधित्व किया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

पीएम मोदी ने शीर्ष कैरेबियाई नेताओं से की मुलाकात, गुयाना के राष्ट्रपति के साथ बैठक को बताया शानदार

जॉर्जटाउन, एजेंसी। भारत कैरिकॉम शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैरेबियाई देशों के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान भारत और कैरेबियाई देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। पीएम मोदी बुधवार को गुयाना पहुंचे थे और यह बीते 50 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली गुयाना यात्रा है। गुयाना में प्रधानमंत्री ने दूसरे भारत–कैरेबियाई सम्मेलन में शिरकत की।

पीएम मोदी ने गुयाना के राष्ट्रपति के साथ बैठक को बताया शानदार

बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि श्गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली के साथ शानदार बैठक हुई। राष्ट्रपति का खुद भारत के साथ मजबूत रिश्ता है। भारत हमेशा बुनियादी ढांचे, शिपिंग, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में गुयाना के लिए एक विश्वसनीय भागीदार रहेगाश। दोनों नेताओं के बीच कौशल विकास, क्षमता निर्माण, कृषि, फार्मास्यूटिकल्स, शिक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने गुयाना के अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन जैसी पहल को उल्लेखनीय बताया।

बारबाडोस ने पीएम मोदी को सम्मानित करने का किया एलान

पीएम मोदी ने जॉर्जटाउन में बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया मोटली से भी मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया, श्बैठक के दौरान, बारबाडोस की प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी को बारबाडोस के शीर्ष सम्मान से सम्मानित करने के अपने सरकार के फैसले की घोषणा की। यह सम्मान कोविड–19 महामारी के दौरान सहायता करने और भारत–बारबाडोस संबंधों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए दिया गया है। यह पुरस्कार 30 नवंबर को बारबाडोस में प्रदान किया जाएगा।

इन कैरेबियाई देशों के नेताओं से भी मिले पीएम मोदी

पीएम मोदी और मिया मोटली के बीच स्वास्थ्य और फार्मा क्षेत्र में सहयोग के साथ ही संयुक्त राष्ट्र में सहयोग पर सहमति बनी। प्रधानमंत्री मोदी ने बहामास के अपने समकक्ष फिलिप डेविस से भी मुलाकात की और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने, जलवायु परिवर्तन और हरित भागीदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की। भारत–कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ने त्रिनिदाद और टोबैगो के प्रधानमंत्री कीथ रोली के साथ ही सूरीनाम के राष्ट्रपति चौन संतोखी से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने डोमिनिका के अपने समकक्ष रूजवेल्ट स्केरिट से भी मुलाकात की और उन्हें अपने देश के सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि डोमिनिका ने कोविड–19 महामारी के दौरान कैरेबियाई राष्ट्र में भारत की मदद और द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ाने के लिए पीएम मोदी समर्पण के लिए उन्हें अपने शीर्ष पुरस्कार से सम्मानित करने का एलान किया है। पीएम मोदी ने एंटीगुआ और बारबुडा के प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउन के साथ भी बैठक की। प्रधानमंत्री ने शिखर सम्मेलन के दौरान सेंट लूसिया के प्रधानमंत्री फिलिप जे पियरे से भी मुलाकात की। भारत–कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री ने भारत और कैरेबियाई समुदाय के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए सात प्रमुख स्तंभों का प्रस्ताव रखा, जिसमें कहा गया कि नई दिल्ली इन संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

न बाइक सुरक्षा–न कार का काफिला और न सैन्य सलामी, दिसानायके ने पहले संसद सत्र को किया संबोधित

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने अपने पहले संसद सत्र में गुरुवार को अपने चुनावी वादों को पूरा करने का संकल्प लिया। अपने संबोधन में उन्होंने कानून के शासन को सुनिश्चित करने और अतीत की गलतियों को सुधारने की बात की। राष्ट्रपति दिसानायके ने अपनी नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के सिद्धांतों के अनुरूप साधारण तरीके से संसद में प्रवेश किया। इस दौरान न ही कोई पारंपरिक बाइक सुरक्षा और कारों का काफिला दिखा और न सैन्य सलामी हुई। उन्होंने सफेद रंग का साधारण कुर्ता पहनकर ही स्पीकर की कुर्सी से संसद को संबोधित किया। उनकी पार्टी के जीत के बाद यह पहला संसद सत्र था। 255 सदस्यीय सदन के लिए 14 नवंबर को हुए मतदान में एनपीपी ने 159 सीटें जीतकर इतिहास रचा। यह पहला मौका था जब 1989

के बाद हुए संसदीय चुनाव में किसी पार्टी ने दो तिहाई बहुमत या 150 से अधिक सीटों पर जीत हासिल की। राष्ट्रपति दिसानायके ने अपने संबोधन में कहा, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम सभी कानून के सामने समान और जवाबदेह बनाएं। उन्होंने यह भी कहा, हम उन सभी लोगों को न्याय दिलाएंगे जो अतीत के अपराधों के पीड़ित हैं। अपने संबोधन 56 वर्षीय राष्ट्रपति ने देश की संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था पर फोकस किया। हालांकि, उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार में शुरू किए गए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बेलाउट पैकेज की आलोचना की थी। अब उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बेलआउट पैकेज के प्रतिबद्धता को जारी रखेगी। दिसानायके ने कहा, चुनाव जीतने के बाद निरंतरत सुनिश्चित करके सभी दलों का भरोसा जीतना हमारा दायित्व था। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी सरकार 23 नवंबर तक आईएमएफ के साथ अगला कर्मचारी स्तर का समझौता कर लेगी। ऋण पुनर्गठन को लेकर दिसानायके ने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार पूर्ववर्ती प्रशासन में किए गए समझौतों का पालन करेगी। उन्होंने कहा, जल्द ही हर देश के साथ अलग–अलग ऋण पुनर्गठन समझौते होंगे। उम्मीद है कि यह सभी वर्ष के अंत तक अंतिम रूप ले लेंगे। राष्ट्रपति ने जोर दिया कि आर्थिक विकास में व्यापक जन भागीदारी की जरूरत है, ताकि आर्थिक लाभ बड़े पैमाने पर जनता तक पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार दक्षिण और उत्तर दोनों क्षेत्रों के लोगों को एक साथ लाएगी और सरकार में किसी भी तरह की जाति, धर्म या भेदभाव आधारित राजनीति नहीं होगी। दिसानायके ने सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का एलान करते हुए कुपोषण, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक देखभाल जैसी चुनौतियों को निपटाने का भी वादा किया। उन्होंने कहा, यह एक ऐसी सरकार होगी जो सभी लोगों की रक्षा करेगी।

रूस का यूक्रेनी शहर पर बड़ा हमला, पहली बार अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल

कीव, एजेंसी। रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर एक बड़ा हमला किया, जिसमें उसने अपने दक्षिण आस्त्रखान क्षेत्र से अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिलाइल दागी। यह पहली बार है, जब रूस ने इस तरह की शक्तिशाली और लंबी दूरी वाली मिसाइल का इस्तेमाल किया। यूक्रेनी वायुसेना ने यह जानकारी दी। मॉस्को की ओर से अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल से हमला उस समय हुआ है, जब यूक्रेन ने इस हफ्ते अमेरिका और ब्रिटेन की मिसाइलों का उपयोग करके रूस के अंदर कुछ लक्ष्यों को निशाना बनाया, जिसके बारे में मॉस्को ने महीनों पहले चेतावनी दी थी कि यह तनाव को बहुत अधिक बढ़ा सकता है। रूस ने निप्रो शहर के मध्य–पूर्व क्षेत्र में मौजूद उद्यमों और महत्वपूर्ण ढांचों को निशाना बनाया। हालांकि बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल से किसे निशाना बनाया गया था और इससे क्या नुकसान हुआ। अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों की रेंज हजारों किलोमीटर होती है और इन्हें परमाणु वारहेड भेजने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि इनका इस्तेमाल पारंपरिक वारहेड के लिए भी किया जा सकता है। यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणालियों ने इस हमले के दौरान 6 केएच–101 क्रूज मिसाइलों को नष्ट किया। यूक्रेनी वायुसेना ने कहा, एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल को रूस के आस्त्रखान क्षेत्र से दागा गया था। इसने हमले में इस्तेमाल

हथियारों की जानकारी दी। लेकिन यह नहीं बताया कि किस प्रकार की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया गया। दोनों देशों के बीच बीत 33 महीनों से ज्यादा समय से युद्ध जारी है।

ट्रंप की जीत के बाद अमेरिकी सांसदों से मिल रहे भारतीय राजदूत, द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने दोनों देशों (भारत–अमेरिका) के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए शीर्ष अमेरिकी सांसदों से मुलाकात शुरू कर दी। इस साल अगस्त में अमेरिका में भारतीय राजनयिक के रूप में अपना पद संभालने के बाद क्वात्रा ने बुधवार को अपने चेंबर में जॉर्जिया के सीनेटर जॉन ओसॉफ से मुलाकात की। इससे पहले सोमवार को उन्होंने न्यू– हैम्पसायर के सीनेटर जीन शाहीन से मुलाकात की थी। बता दें कि पांच नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी ने हाउस ऑफ रिप्रेजेनटेशन और सीनेट दोनों में बहुमत हासिल किया। नया कार्यकाल अगले साल जनवरी में शुरू होगा, तब तक रिपब्लिकन के पास सदन में बहुमत है और डेमोक्रेट्स का सीनेट पर नियंत्रण है। दोनों ही चेंबर अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपने चेंबर में जॉर्जिया के सीनेटर जॉन ओसॉफ से मुलाकात करने के बाद भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा, ष्उनके गर्मजोशी से स्वागत और भारत–अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में उनके समर्थन की सराहना करता हूं। इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर न्यू हौम्पसायर के सीनेटर से भी मिलने की जानकारी दी थी। इस मुलाकात पर उन्होंने कहा, भारत–अमेरिका संबंधों की मजबूत प्रगति को लेकर आपके समय, विचारों और सार्थक बातचीत के लिए सीनेटर जीन शाहीन को धन्यवाद। हम दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने को तत्पर हैं। क्वात्रा दोनों पार्टियों के सांसदों से मिल रहे हैं। उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिल रही है। सांसद रिच मैककॉर्मिक से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा, ष्सांसद रिच मैककॉर्मिक से मिलकर खुशी हुई। भारत–अमेरिका रणनीतिक और रक्षा साझेदारी को गहरा करने के लिए उनके निरंतर समर्थन और प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं।ष उन्होंने सांसद डेबोरा रॉस, एमी बेरा और रो खन्ना से भी मुलाकात की। सांसद एंडी बर्र से भी उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने की दिशा में चर्चा की। पिछले हफ्ते क्वात्रा ने भारतीय–अमेरिकी सांसद राजा कृष्णामूर्ति से भी मुलाकात की। इस मुलाकात पर उन्होंने कहा, अपना समय निकालने के लिए सांसद राजा कृष्णमूर्ति को धन्यवाद। अमेरिका–भारत द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने और रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई।ष राजा कृष्णमूर्ति ने भी इस मुलाकात पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अमेरिका और भारत के बीच सहयोग और साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा करने के लिए आज सुबह मेरे कार्यालय में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से मिलकर खुशी हुई।ष इसके अलावा उन्होंने सांसद श्री थानेदार से भी मुलकात की।

टेक्सस ने ट्रंप की निर्वासन योजना के लिए की 1400 एकड़ जमीन की पेशकश, कहा– संघीय एजेंसियों की करेंगे मदद

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिकी राज्य टेक्सस ने मैक्सिको की सीमा के पास 1,400 एकड़ जमीन नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना के लिए देने की पेशकश की है। ट्रंप की बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने (निर्वासन) की योजना है। अपने पत्र में टेक्सस की लैंड कमिश्नर डॉन बकिंघम ने ट्रंप को बताया कि टेक्सस, होमलैंड सिक्योरिटी एंड इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) जैसी संघीय एजेंसियों के साथ सहयोग करेगा। बकिंघम ने स्टार काउंटी में स्थित जमीन को हिंसक अपराधियों को हिरासत में रखने या उनके निर्वासन के

लिए एक सुविधा के रूप में इस्तेमाल करने का सुझाव दिया है। यह जमीन मैकएलेन शहर से करीब 35 मील पश्चिम में स्थित है। डॉन बकिंघम ने पिछले लैंड कमिश्नर की भी आलोचना की, जिन्होंने मैक्सिको–अमेरिका सीमा पर दीवार निर्माण का विरोध किया था। बकिंघम ने कहा कि इस विरोध के कारण मादक पदार्थों की तस्करी और आपराधिक समूहों की हिंसा और प्रवासियों का शोषण बढ़ा है। टेक्सस ने पिछले महीने इस जमीन को सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए खरीदा था, जिसमें एक दीवार बनाने की योजना भी शामिल थी। ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह आप्रवासन को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो लाखों लोगों को देश से निर्वासित किया जाएगा, जिससे गंभीर मानवाधिकार और व्यावहारिक चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। टेक्सस जहां ट्रंप की आप्रवासन नीतियों के साथ खड़ा दिख रहा है, वहीं अन्य राज्यों में इसका विरोध बढ़ रहा है। लॉस एंजिल्स ने श्सैंक्चुअरी सिटीश कानून पारित किया है, जिसका मकसद प्रवासियों को सुरक्षा प्रदान करना और संघीय आप्रवासन अधिकारियों की शक्ति को सीमित करना है।

न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज पर बम विस्फोट की योजना विफल, अमेरिकी व्यक्ति को किया गया गिरफ्तार

फ्लोरिडा के एक व्यक्ति को बुधवार को गिरफ्तार किया गया और इस सप्ताह न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में बम लगाकर और रिमोट–नियंत्रित डिवाइस से विस्फोट करके अमेरिकी सरकार को ''रीबूट'' करने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया। फ्लोरिडा के कोरल स्प्रिंग्स के 30 वर्षीय हारुन अब्दुल–मलिक येनर पर अंतरराज्यीय वाणिज्य में उपयोग की जाने वाली इमारत को नुकसान पहुंचाने या नष्ट करने के लिए विस्फोटक उपकरण का उपयोग करने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया था। एफबीआई ने फरवरी में एक गुप्त सूचना के आधार पर येनर की जांच शुरू की कि वह एक भंडारण इकाई में बम बनाने की योजनाएँ संग्रहीत कर रहा था। एफबीआई के अनुसार, उन्हें बम बनाने के रेखाचित्र, टाइमर वाली कई घड़ियाँ, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट बोर्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स मिले जिनका उपयोग विस्फोटक उपकरण बनाने के लिए किया जा सकता था। एफबीआई के मुताबिक, उसने 2017 से बम बनाने से जुड़ी चीजों को भी ऑनलाइन खोजा था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।